मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 162
शुक्रवार, 27 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

## युवाओं को सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: पीएम मोदी

**नई दिल्ली, 26 दिसम्बर।** दिल्ली में वीर बाल दिवस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि युवाओं को सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज युवाओं को राष्ट्र के विकास से जुड़े हर क्षेत्र में अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम हर क्षेत्र में नए बदलाव और चुनौतियां देख सकते हैं, इसलिए हमें अपने युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने की जरूरत है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम तीसरे 'वीर बाल दिवस' का हिस्सा बन रहे हैं। तीन साल पहले हमारी सरकार ने वीर साहिबजादों के बलिदान की अमर स्मृति में 'वीर बाल दिवस' मानने शुरूआत की थी। अब ये दिन करोड़ों देशवासियों के लिए, पूरे देश के लिए राष्ट्रीय प्रेरणा का पर्व बना है। इस दिन ने भारत के कितने ही बच्चों और युवाओं को अदम्य साहस से भरने का काम किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि साहिबजादों ने मुगल साम्राज्य के सभी प्रलोभनों को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने हर अत्याचार सहा। जब वजीर खान ने उन्हें जिंदा ईंटों से मार देने का आदेश दिया, तो साहिबजादों ने बड़ी बहादुरी के साथ चुनौती स्वीकार कर ली। उन्होंने वजीर खान को गुरु अर्जन देव, गुरु तेग बहादुर और गुरु गोबिंद सिंह की बहादुरी की याद दिलाई। उन्होंने मृत्यु को स्वीकार कर लिया, लेकिन आस्था के मार्ग से कभी नहीं डिगे। उन्होंने कहा कि गुरु परंपरा ने हमें, सभी को एक समान भाव से देखना सिखाया है और संविधान भी हमें इसी विचार की प्रेरणा देता है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि वीर साहिबजादों का जीवन हमें देश की अखंडता और विचारों से कोई समझौता ना करने की सीख देता है और संविधान भी हमें भारत की प्रभुता और अखंडता को सर्वोपरि रखने का सिद्धांत देता है। हमारे लोकतंत्र की विराटता में गुरुओं की सीख है, साहिबजादों का त्याग है और देश की एकता का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि इतिहास से वर्तमान तक, भारत की प्रगति में हमेशा युवा ऊर्जा की बड़ी भूमिका रही है। आजादी की लड़ाई से लेकर 21वीं सदी के जनांदोलनों तक, भारत के युवा ने हर क्रांति में अपना योगदान दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वीर बाल दिवस' हमें प्रेरणाओं से भरता है और नए संकल्पों के लिए प्रेरित करता है। मैंने लाल किले से कहा है कि अब बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड होना चाहिए। मैं अपनी युवा शक्ति से कहूंगा कि वो जिस सेक्टर में हों उसे बेस्ट बनाने के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि 26 दिसंबर का वो दिन, जब छोटी सी उम्र में हमारे साहिबजादों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह की आयु कम थी, लेकिन उनका हौसला आसमान से भी ऊंचा था।

## अदालत ने मानहानि की शिकायत पर आप नेता सौरभ भारद्वाज को नोटिस जारी किया

**नई दिल्ली, 26 दिसम्बर।** दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता द्वारा दायर आपराधिक मानहानि के मामले में नोटिस जारी किया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने 23 दिसंबर को पारित आदेश में भारद्वाज को नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें सूरजभान चौहान द्वारा दायर शिकायत के आधार पर नौ जनवरी, 2025 तक जवाब देने का निर्देश दिया गया है। अपनी शिकायत में चौहान ने आरोप लगाया कि भारद्वाज ने 2018 में प्रेस वार्ता में झूठा दावा करके उन्हें बदनाम किया था कि उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। न्यायाधीश ने शिकायतकर्ता को उसी मुद्दे पर पहले की शिकायत की प्रतिलिपि दाखिल करने का अंतिम अवसर भी दिया, जिसे एक अन्य अदालत ने खारिज कर दिया था।

## पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का निधन, 92 साल की उम्र में दिल्ली के एम्स में ली अंतिम सांस

**नई दिल्ली।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन हो गया। उन्हें गुरुवार रात करीब आठ बजे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया था। वह 92 वर्ष के थे।

भारत के एकमात्र सिख प्रधान मंत्री ने 1991 में वित्त मंत्री के रूप में शपथ लेने के चार महीने बाद राज्यसभा में प्रवेश किया। जून 1991 में पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री रहे। उन्होंने उच्च सदन में पांच बार असम का प्रतिनिधित्व किया और 2019 में राजस्थान चले गए। संसद में उनका आखिरी हस्तक्षेप नोटबंदी के खिलाफ था, उन्होंने इसे संगठित लूट और वैध लूट बताया।

## देश की प्रगति विरोधी ताकतों को हराने के लिए राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करें : उपराष्ट्रपति

**नई दिल्ली, 26 दिसम्बर।** उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को नागरिकों से राष्ट्र प्रथम की मानसिकता अपनाने की जरूरत पर जोर दिया ताकि देश की प्रगति में बाधा डालने वाली आंतरिक और बाहरी दोनों तरह की ताकतों का मुकाबला किया जा सके। धनखड़ ने तेलंगाना के मेडक जिले में जैविक तरीके अपनाने वाले किसानों के एक सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लोकतंत्र में समस्याओं के समाधान के लिए बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा, आज मैं देख रहा हूं कि किसान कुछ मुद्दों को लेकर चिंतित हैं। अगर समाज का कोई वर्ग चिंतित है तो उसका सकारात्मक तरीके से और बिना देरी के समाधान करना जरूरी है। लोकतंत्र में मुद्दों को सुलझाने का एकमात्र तरीका बातचीत है। मैंने कई मौकों पर कहा है कि लोकतंत्र में बातचीत के जरिए ही समस्याओं का समाधान खोजा जाना चाहिए। धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने संबोधन में बातचीत की वकालत की है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जो संघर्ष देखने को मिल रहे हैं उन्हें बातचीत के माध्यम से ही समाप्त कराया जा सकता है। धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक भारतीय को देश विरोधी ताकतों को हराने के लिए राष्ट्रवाद में अटूट विश्वास बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, चालें चली जा रही हैं... मैं अपने चारों ओर भारत की प्रगति विरोधी ताकतों का एक भयावह संगम देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि ऐसी ताकतें एक विमर्श पेश करती हैं, जो बाद में बड़ा रूप ले लेती हैं। उन्होंने नागरिकों से ऐसी परिस्थितियों में राष्ट्रवाद में अटूट विश्वास बनाए रखने का आह्वान किया।

## किसानों का आंदोलन तेज, 30 दिसंबर को पंजाब बंद का ऐलान

**पंजाब, 26 दिसम्बर।** किसान मजदूर संघर्ष समिति के एक किसान नेता ने कहा कि 30 दिसंबर को पंजाब में राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। मीडिया से बात करते हुए सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि बंद को राज्य भर में कई यूनियनों और समूहों से समर्थन मिला है। उन्होंने बताया कि बंद सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक प्रभावी रहेगा। आगे बोलते हुए, किसान नेता ने कहा कि पंजाब में सरकारी और निजी कार्यालय बंद रहेंगे, और रेल आंदोलन और सड़क यातायात में भी व्यवधान होगा। उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाएं चालू रहेंगी।

पंडेर ने कहा कि व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों, कर्मचारी संघों, टोल प्लाजा श्रमिकों, श्रमिकों, पूर्व सैनिकों, सरपंचों और शिक्षक संघों, सामाजिक और अन्य निकायों और कुछ अन्य वर्गों ने बंद को अपना समर्थन दिया है। साथ ही आम लोग भी इसका समर्थन कर रहे हैं। पंढेर ने पुष्टि की कि ये कार्रवाइयां उनके चल रहे विरोध का हिस्सा हैं और उनका उद्देश्य उनकी मांगों को उठाना है। किसान नेता ने कहा कि यह बंद केंद्र को किसानों की मांगों को स्वीकार करने के लिए मजबूर करेगा, उन्होंने किसानों की मांगों को स्वीकार करने में विफल रहने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। 'पंजाब बंद' का आह्वान करने का निर्णय पिछले सप्ताह संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा द्वारा लिया गया था। बंद की सफलता सुनिश्चित करने के लिए एसकेएम (गैर-राजनीतिक) और केएमएम ने गुरुवार को खनौरी विरोध स्थल पर ट्रांसपोर्टरों, कर्मचारियों, व्यापारियों और अन्य लोगों की एक बैठक बुलाई।

फसलों के लिए एमएसपी पर कानूनी गारंटी के अलावा, किसान कर्ज माफी, किसानों और खेतिहर मजदूरों के लिए पेंशन, बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं, पुलिस मामलों को वापस लेने और 2021 लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं।

एसकेएम (गैर-राजनीतिक) और केएमएम के बैनर तले किसान सुरक्षा बलों द्वारा दिल्ली मार्च रोके जाने के बाद 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा बिंदुओं पर डेरा डाले हुए हैं।

## युवाओं पर लाठीचार्ज क्रूरता की पराकाष्ठा, भाजपा को सिर्फ अपनी कुर्सी बचाना है : प्रियंका गांधी

**नई दिल्ली, 26 दिसम्बर।** कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज को लेकर बृहस्पतिवार को राज्य सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा तथा आरोप लगाया कि भाजपा को सिर्फ अपनी कुर्सी बचाना है। बीपीएससी की ओर से 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा (पीएससी) के प्रश्नपत्र लीक होने का दावा करने वाले अभ्यर्थियों ने परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर बुधवार को पटना में विरोध-प्रदर्शन किया, जिस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्रा ने बताया था कि पुलिसकर्मियों को प्रदर्शनकारियों पर उस समय लाठीचार्ज करना पड़ा, जब उनमें से कुछ बैरिकेड तोड़कर बीपीएससी कार्यालय तक पहुंच गए और यातायात बाधित किया।

प्रियंका गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, हाथ जोड़ रहे युवाओं पर इस तरह लाठी चलाना क्रूरता की पराकाष्ठा है। भाजपा राज में रोजगार मांगने वाले युवाओं को लाठियों से पीटा जाता है।

उत्तर प्रदेश हो, बिहार हो या मध्य प्रदेश, युवा अगर अपनी आवाज उठाते हैं तो उन्हें बर्बरता से पीटा जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे युवा देश के नौजवानों का भविष्य क्या होगा, यह सोचना और उनके लिए नीतियां बनाना सरकारों का काम है।

# बीजेपी पर बरसे मल्लिकार्जुन खड़गे

## कहा- हमारे पास गांधी-नेहरू की विरासत, झूठ को चकनाचूर कर देंगे

**नई दिल्ली, 26 दिसम्बर।** सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में लोगों का विश्वास धीरे-धीरे कम हो रहा है और भारत के चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। खड़गे ने सत्तारूढ़ भाजपा पर आरोप लगाए और दावा किया कि वह भारत के लिए महत्वपूर्ण सभी संस्थानों पर कब्जा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी एउ जैसी सभी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करना चाहती है, लेकिन हम ये लड़ाई लड़ते रहेंगे। ऐसा क्या है जो यह सरकार उन चुनाव नियमों को बदलकर छिपाने की कोशिश कर रही है जिन्हें अदालत ने

साझा करने का आदेश दिया था।इसके अलावा, राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि पार्टी महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू की विरासत है। हमारे पास गांधी-नेहरू की विरासत है, नए संकल्प के साथ बेलगाम से लौटेंगे; यह निराशा का नहीं बल्कि एकजुट होने का, विरोधियों के झूठ को तोड़ने का समय है। इसके अलावा, खड़गे ने अपने संबोधन में न केवल कड़ी मेहनत बल्कि बेहतर रणनीतियों के महत्व पर भी जोर दिया। खड़गे ने कहा कि केवल कड़ी मेहनत पर्याप्त नहीं है, समय पर ठोस रणनीति, दिशा जरूरी है; नई शक्ति, नेतृत्व को मौका देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 100 साल पहले यहीं 26 दिसंबर 1924 को 3 बजे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली थी। इससे पहले मौलाना मुहम्मद अली कांग्रेस अध्यक्ष थे।

इस मौके पर सेवादल के संस्थापक Dr. N S Hardikar को याद कर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। यहीं से कांग्रेस के इतिहास में रोज सुबह राष्ट्रीय ध्वज समारोह पूर्वक फहराने और शाम को उतारने का सिलसिला आरंभ हुआ। गांधीजी केवल एक बार एक साल के लिए ही कांग्रेस अध्यक्ष बने थे। लेकिन उन्होंने इसके बाद इतनी लंबी लकीर खींची कि उसकी बराबरी कर पाना किसी भी राजनेता के लिए संभव नहीं है ।

# मिर्जा गालिबः शायरी और गजल के शिखर फनकार थे



-ललित गर्ग

**मिर्जा गालिब जयन्ती- 27 दिसम्बर, 2024**

मिर्जा असदुल्लाह बेग खान, जो अपने तखल्लुस गालिब से जाने जाते हैं, उर्दू एवं फारसी भाषा के एक महान शायर थे। इनको उर्दू भाषा का सर्वकालिक एवं सार्वदेशिक महान शायर माना जाता है और फारसी कविता के प्रवाह को हिन्दुस्तानी जबान में लोकप्रिय बनाने वाले वे एक महा-फनकार थे। हर मोहब्बत करने वाला आशिक मिर्जा गालिब के शेर, शायरी और गजल जरूर पढ़ता है। हर कोई उनकी शायरी का कायल है। मिर्जा गालिब सर्व-धर्म-सद्भाव एवं मानवीय चेतना के चितेरे थे एवं गहन संवेदनाओं के शिखर सृजनकार थे। गालिब का व्यक्तित्व बड़ा ही आकर्षक एवं बहुआयामी था। गालिब में जिस प्रकार शारीरिक सौंदर्य था, उसी प्रकार उनकी प्रकृति में विनोदप्रियता तथा वक्रता भी थी और ये सब विशेषताएं उनकी कविता एवं शायरी में यत्र-तत्र झलकती रहती हैं। चिन्ताओं से संघर्ष में इनकी सहायक एक तो थी शराब, जिन्दगी के अंतिम समय में जुए की लत भी लग गई। उन्हें शुरू से शतरंज और चौसर खेलने की आदत थी। अक्सर मित्र-मण्डली जमा होती और खेल-तमाशों में वक्त कटता था। अपने मदिरा प्रेम के कारण जो भाव प्रकट किए हैं, वे शेर ऐसे चुटीले तथा विनोदपूर्ण हैं कि उनका जोड़ उर्दू कविता में अन्यत्र नहीं मिलता। गालिब ने शायरी और गजल को एक नया रूप दिया। गालिब के पहले गजल को केवल प्रेम के संदर्भ में देखा जाता है लेकिन उन्होंने जीवन के हर पहलू के दर्शन और रहस्यों को दर्शाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपनी शायरी के कारण वे न सिर्फ हिन्दुस्तान बल्कि पूरी दुनिया में मशहूर हैं। आज भी उनका नाम बड़े अदब के साथ लिया जाता है।

गालिब की प्रारम्भिक शिक्षा के बारे में स्पष्टतः कुछ कहा नहीं जा सकता। उन्होंने अधिकतर फारसी और उर्दू में पारम्परिक मानवीयता, भक्ति और सौन्दर्य रस पर रचनायें लिखी। उन्होंने फारसी और उर्दू दोनो में पारंपरिक गीत काव्य की रहस्यमय-रोमांटिक शैली में सबसे व्यापक रूप से लिखा और यह गजल के रूप में जाना जाता है। उनकी शायरियों में गहन साहित्य और क्लिष्ट भाषा का समावेश था। उन्होंने अपनी शायरी का बड़ा हिस्सा असद के नाम से लिखा है। गालिब हिंदुस्तान में उर्दू अदबी के दुनिया के सबसे रोचक किरदार थे। उनकी जड़ें तुर्क से थीं, पर गालिब की कविता को भारतीय भाषा में लोकप्रिय करने में माहिर थे, उन्हें पत्र लिखने का बहुत शौक था। इसीलिए उन्हें पत्र-पुरोधा भी कहा जाता था। आज भी उनके पत्रों को उर्दू साहित्य में एक अहम विरासत माना जाता है। मिर्जा गालिब ने 11 वर्ष की छोटी उम्र में ही अपनी पहली कविता लिखी थी। मिर्जा गालिब की मातृभाषा उर्दू थी लेकिन तुर्की और फारसी भाषाओं पर भी उनकी अच्छी पकड़ थी। उन्होंने अरबी, फारसी, दर्शन और तर्कशास्त्र का भी अध्ययन किया था।

गालिब इश्क को जीते थे। वह इश्क का आखिरी छोर थे। उनकी नज्में और शेर ने सालों साल इश्क की तहजीब दुनिया को दी है। अगर हम यूं कहें कि इश्क गालिब से शुरू होता है तो यह कोई आश्चर्यजनक बात नहीं होगी। उनका हर शेर एक जिंदादिल आशिक की तरह इश्क की रस्मों को निभाता है। उनका जीवन संघर्ष से भागने या पलायन करते हुए नहीं बिता और न इनकी कविता एवं शायरी में कहीं निराशा का नाम है। वह इस संघर्ष को जीवन का एक अंश तथा आवश्यक अंग समझते थे। मानव की उच्चता तथा मनुष्यत्व को सब कुछ मानकर उसके भावों तथा विचारों का वर्णन करने में वह अत्यन्त निपुण थे और यह वर्णनशैली ऐसे नए ढंग की है कि इसे पढ़कर शताब्दियों बाद भी पाठक मुग्ध हो जाता है।

मिर्जा का जीवन अनेक विलक्षणताओं एवं विशेषताओं का समवाय था। उनके विषय में पहली बात तो यह है कि वह अत्यन्त शिष्ट, शालीन एवं मित्रप्रेमी थे। जो कोई उनसे मिलने आता, उससे खुले दिल से मिलते थे। इसीलिए जो आदमी एक बार इनसे मिलता था, उसे सदा इनसे मिलने की इच्छा बनी रहती थी। मित्रों के प्रति अत्यन्त वफादार थे। उनकी खुशी में खुशी, उनके दुःख में दुःखी। मित्रों को देखकर बाग-बाग हो जाते थे। उनके मित्रों का बहुत बड़ा दायरा था। उसमें हर जाति, धर्म और प्रान्त के लोग थे। वैसे वे शिया मुसलमान थे, पर मजहब की भावनाओं में बहुत उदार और स्वतंत्र चेता थे। गालिब सदा किराये के मकानों में रहे, अपना मकान न बनवा सके। ऐसा मकान ज्यादा पसंद करते थे, जिसमें बैठकखाना जरूर हो और उनके दरवाजे भी अलग हों, जिससे यार-दोस्त बेझिझक आ-जा सकें। खाने-खिलाने के शौकीन, स्वादिष्ट व्यंजनों के प्रेमी थे। उन्हें हम स्नेह एवं मित्रता की छांह देने वाले बरगद कहे तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

हर जुबां का वो आसरा...उसके दिल में धड़कता था आगरा... उनका जन्म आगरा में 27 दिसंबर 1797 को एक सैनिक पृष्ठभूमि वाले परिवार में हुआ था। उनका पूरा बचपन ताजनगरी में ही बीता। गालिब की पृष्ठभूमि एक तुर्क परिवार से थी और इनके दादा मिर्जा कोबान बेग खान मध्य एशिया के समरकन्द से सन 1750 के आसपास अहमद शाह के शासन काल में भारत आये। उन्होंने दिल्ली, लाहौर व जयपुर में काम किया और अन्ततः आगरा में बस गये। जवानी के दहलीज पर कदम रखते ही वह दिल्ली चले आए। यहां जाने के बाद भी ताउम्र मिर्जा गालिब के दिल व दिमाग में आगरा छाया रहा। आगरा में गालिब के जन्मस्थान को इन्द्रभान कन्या अन्तर महाविद्यालय में बदल दिया गया है, जिस कमरे में गालिब का जन्म हुआ था उसे आज भी सुरक्षित रखा गया है। दिल्ली के चांदनी चौक के बल्लीमारान इलाके के कासिम जान गली में स्थित गालिब के घर को गालिब मेमोरियल में तब्दील कर दिया गया।

बहादुर शाह जफर द्वितीय ने 1850 ई. में गालिब को दबीर-उल-मुल्क और नज्म-उद-दौला की उपाधि प्रदान की थी। इसके अलावा बहादुर शाह जफर द्वितीय ने गालिब को मिर्जा नोशा की उपाधि प्रदान की थी, जिसके बाद गालिब के नाम के साथ मिर्जा शब्द जुड़ गया। तबियत से खुद एक शायर बहादुर शाह जफर द्वितीय ने कविता सीखने के उद्देश्य से 1854 में गालिब को अपना शिक्षक नियुक्त किया था। बाद में बहादुर शाह जफर ने गालिब को अपने बड़े बेटे शहजादा फखरूद्दीन मिर्जा का भी शिक्षक नियुक्त किया था। इसके अलावा गालिब मुगल दरबार में शाही इतिहासविद के रूप में भी काम करते थे। साल 1847 में जुआ खेलने के जुर्म में गालिब को जेल भी जाना पड़ा था और उन्हें 200 रूपए जुर्माना और सश्रम कारावास की सजा दी गई थी। एक मुसलमान होने के बावजूद गालिब ने कभी रोजा नहीं रखा। मुसलमान होने के प्रश्न पर एक अंग्रेज कर्नल को जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मैं आधा मुसलमान हूं। ये जवाब सुनकर अंग्रेज कर्नल ने अगला सवाल दागा और पूछा कि ऐसा कैसे कि आप आधे मुसलमान हैं? इसके जवाब में मिर्जा गालिब ने कहा, हां, क्योंकि मैं शराब तो पीता हूं लेकिन सुअर नहीं खाता। मिर्जा गालिब का यह जवाब सुनकर अंग्रेज कर्नल अपनी हंसी नहीं रोक पाया। एक बार गालिब आम खा रहे थे। जमीन पर छिलके जमा कर रखे थे। वहां खड़े एक व्यक्ति ने उन छिलकों को अपने गधे को खाने के लिए दिया। गधे ने उन छिलकों को खाने से इंकार कर दिया। इस पर सज्जन व्यक्ति ने गालिब का मजाक उड़ाते हुए कहा कि गधे भी आम नहीं खाते हैं। इस पर गालिब ने अपनी हाजिर जवाबी का परिचय देते हुए कहा कि गधे ही आम नहीं खाते हैं।

मिर्जा गालिब का एक बहुत मशहूर शेर है ये इश्क नहीं आसान, बस इतना समझ लीजिये, इक आग का दरिया है और डूबकर जाना है। न जाने गालिब ने किन परिस्थितियों में ये शेर गढ़ा होगा। लेकिन ऐसा लगता है कि इश्क पर जो पहरा उस सदी में था वह आज इक्कीसवीं सदी के ग्लोबल इंडिया में भी है। जिंदगी जीने के तमाम तरीके भले ही बदल गए हों, लेकिन प्यार मोहब्बत को देखने का हमारा पारिवारिक-सामाजिक-धार्मिक नजरिया आज भी सदियों पुराना है। मिर्जा गालिब ने बेहतरीन शेर लिखे हैं- इस सादगी पे कौन न मर जाए ऐ खुदा, लड़ते हैं और हाथ में तलवार भी नहीं। दरअसल मिर्जा गालिब अपनी हाजिर जवाबी के लिए मशहूर थे। इस दौरान भी इश्क ने गालिब निकम्मा कर दिया, वरना हम भी आदमी थे काम के। मौत का एक दिन मुअय्यन है, नींद क्यूं रात भर नहीं आती...। गालिब की जिंदगी संघर्षों से भरी रही, उन्होंने अपनी जिंदगी में अपने कई अजीजों को खोया। अपनी जिंदगी गरीबी में गुजारी। इसके बावजूद गालिब के शेर ने लोगों के दिलों को छुआ। गालिब 15 फरवरी 1869 को इस दुनिया से अलविदा कह गए।

# 1 फरवरी 2025 आगामी बजटः फिर जागी सीनियर सिटीजन की उम्मीदें



अशोक भाटिया

साल 2025 का बजट पेश होने वाला है और वरिष्ठ नागरिकों को इस बजट से खास उम्मीदें हैं।वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के बजट से सीनियर सिटीजंस को काफी उम्मीद हैं। वित्तमंत्री 1 फरवरी को लोकसभा में यूनियन बजट पेश करेंगी। पिछले साल को पेश बजट में वित्तमंत्री ने सीनियर सिटीजंस के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया था। इसलिए सीनियर सिटीजंस को आने वाले बजट से ज्यादा उम्मीदें हैं,ताकि उन्हें पता चल सके कि उनके बटुए में और ज्यादा पैसे आएंगे या नहीं।

गौरतलब है कि इस समय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025 के बजट पर काम शुरू कर दिया है सो अभी से सीनियर सिटीजन ने अपनी तकलीफों व मांग को लेकर चर्चा शुरू कर दी है ।यह ठीक है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स से मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान पीएम आने वाले यूनियन बजट 2025 के लिए उनकी राय और सुझाव लिए ।इस बैठक में निर्मला सीतारमण, नीति आयोग के वाइस चेयरमैन सुमन बेरी, नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमनियम, मुख्य आर्थिक सहालकार अनंत नागेश्वरन और दूसरे जाने-माने अर्थशास्त्रियों ने पीएम मोदी के साथ हुई इस बैठक में हिस्सा लिया। इस मीटिंग में अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला, डीके जोशी भी शामिल रहे। ठीक है , परन्तु दुःख इस बात का है कि किसी भी सीनियर सिटीजन को उनकी तकलीफों व राय जानने के लिए नहीं बुलाया जाता।

इनकम टैक्स कानून के अनुसार, सीनियर सिटिजन्स को दो समूहों में बांटा गया है झ सीनियर सिटिजन्स और सुपर सीनियर सिटिजन्स। इनमें से प्रत्येक समूह के लिए टैक्स सम्बन्धी कानून भी अलग-अलग हैं। सीनियर सिटिजन्स यानी 60 से 80 साल की उम्र के लोगों के लिए 3 लाख रुपये की इनकम तक टैक्स माफ है। सुपर सीनियर सिटिजन्स यानी 80 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए 5 लाख रुपये की इनकम तक टैक्स माफ है। रिटायर्ड लोग चाहते हैं कि यह अंतर खत्म हो जाए क्योंकि कई लोगों के पास, पेंशन और इन्वेस्टमेंट को छोड़कर इनकम का कोई अन्य साधन नहीं है। उनका मानना है कि सबके लिए 5 लाख रुपये की छूट सीमा तय की जानी चाहिए ताकि सभी सीनियर सिटिजन्स पर टैक्स का बोझ कम हो सके ।मौजूदा टैक्स स्लैब के अनुसार, सीनियर सिटिजन्स को अलग-अलग रेट के हिसाब से टैक्स देना पड़ता है।

सीनियर सिटीजंस को उम्मीद है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम पर डिडक्शन बढ़ा सकती हैं। अभी 60 साल और इससे ज्यादा उम्र के लोगों को हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी के प्रीमियम पर सालाना 50,000 रुपये डिडक्शन की इजाजत है। बुजुर्गों का कहना है कि पिछले कुछ सालों में खासकर कोविड की महामारी के बाद हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी का प्रीमियम काफी बढ़ गया है। इसलिए सरकार को 50,000 रुपये के डिडक्शन को बढ़ाकर कम से कम एक लाख रुपये कर देना चाहिए। इससे उन पर टैक्स का बोझ घटेगा। सीनियर सिटिजन्स पर महंगाई का ज्यादा असर पड़ता है। उनके इनकम के साधन सीमित और अक्सर निश्चित होने के कारण, बढ़ती महंगाई के कारण सीधे तौर पर उनकी खरीदने की ताकत कम हो सकती है। उनके पास महंगाई से लड़ने के लिए अपने इनकम को बढ़ाने का कोई तरीका नहीं भी हो सकता है। इसलिए, सरकार उन्हें अधिक से अधिक, महंगाई को मात देने वाले सेविंग्स और इन्वेस्टमेंट ऑप्शंस देने के बारे में सोच सकती है। वर्तमान में, सीनियर सिटिजन्स सेविंग्स स्कीम में 30 लाख रुपये तक इन्वेस्ट किया जा सकता है जिस पर 8.2 % प्रति वर्ष की दर से सुनिश्चित रिटर्न मिलता है। सरकार इस सीमा को बढ़ाने, ज्यादा रेट ऑफ रिटर्न देने और एक कम लॉक-इन फिक्स करने के बारे में सोचना चाहिए । इससे सीनियर सिटिजन्स की खरीदने की ताकत बढ़ जाएगी और उन्हें बेहतर लिक्विडिटी मिल पाएगी। कई सीनियर सिटीजन की मांग है कि उन्हें चालू ब्याज से 2 प्रतिशन अतिरिक्त ब्याज मिलना चाहिए । वैसे इस समय ?फडी ब्याज दरों की बात करें तो डीसीबी बैंक में सीनियर सिटीजन को एफडी पर 8.6% का ब्याज मिल रहा है। पंजाब एंड सिंध बैंक में सीनियर सिटीजन को एफडी पर 7.9% का ब्याज दे रहा है। ज्यादातर बैंक सीनियर सिटीजन को अधिकतम 7.75 फीसदी का ब्याज दे रहे हैं। इसमें एसबीआई, ल्ऽ्रुड्ड, क्ळक्ळक इंल्ल' आदि शामिल हैं। अगर सरकार 2 फीसदी तक ब्याज बढ़ता है तो सीनियर सिटीजन को मिलने वाला ब्याज 10 फीसदी तक जा सकता है।जिससे उनके बुढ़ापे की गाड़ी आसानी से चल सकती है । सीनियर सिटीजन को ब्याज पर रखे धन पर कर कटौती के लिए 15 ल्ल फॉर्म भर कर देना पड़ता है सो बुजुर्गों को बैंक आने जाने में बहुत तकलीफ होती है व बैंक भी कोई सहयोग नहीं करते है जबकि रिजर्व बैंक के कायदे के अनुसार सीनियर सिटिजन को घर बैठे सर्विस देना चाहिए सो हर साल 15ल्ल फॉर्म को जमा करवाने का प्रावधान ही हटा देना चाहिए। वसई पूर्व सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के आनंद बोंगिरवार के अनुसार सरकार वरिष्ठ नागरिको का बँक मे जमा पूँजी की पुरी राशी की सुरक्षा की गॅरंटीकरें इसे 5 लाख की सीमा में लॉक अप न किया जाय । देश में चल रहे सभी विमान सेवा नागरिकों को 50% डिस्काउंट प्रदान किया जाये , विमान सरकारी हो यां गैर सरकारी।इस समय पारिवारिक पेंशन के लिये 80 लाख लोग पेन्शन के लिये लगातार संघर्ष कर रहे है सभी वरिष्ठ नागरिक को पेन्शन प्रदान किया जाय क्योकि उन्होंने अपने जीवन काल मे बहुत ही कम पैसे मे गुजर किया था और महंगाई बढ़ने पर उनकी जमा पुंजी मे कमी हो गई हैं।इसी प्रकार सीनियर सिटीजन को दांतो की बीमारी के लिए इनकम टैक्स में कोई छूट नहीं मिलती। नकली दाँत बनवाने, और दांतों का इलाज करने की इनकम टैक्स में छूट दी जावे। दांतो के इलाज में एक बड़ी धनराशि खर्च होती है।मोदी सरकार ने चुनाव के पहले वायदा किया था कि 70 वर्ष से ऊपर के हर वर्ग के सीनियर सिटीजन को आयुष्मान कार्ड दिया जाएगा वह कार्यान्वित तो हो रहा है पर सीनियर सिटीजन कि मांग है कि उम्र सीमा घटा कर70 से 60 वर्ष की जाय तथा यह आयुष्मान कार्ड गिने चुने सरकारी हॉस्पिटल में काम आता है , यदि यह सभी प्राइवेट हॉस्पिटल में भी लागू हो तो इसकी सार्थकता होगी। कोविड से पहले तक सीनियर सिटीजन को ट्रेन टिकट पर 40 से 50 फीसदी तक की छूट दी जाती थी लेकिन ये छूट कोविड के समय खत्म कर दी गई। कोविड का डर देश और दुनिया में खत्म होने के बाद भी सरकार ने इस छूट को फिर से शुरू नहीं किया है। अब सीनियर सिटीजन बजट में ट्रेन टिकट पर 50 फीसदी तक की छूट दिये जाने की डिमांड कर रहे हैं। वह उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार उन्हें ये छूट फिर से देना शुरू करेंगे।गौरतलब है कि आईआरसीटीसी सीनियर सिटीजन के लिए स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेनों की सभी केटेगरी में रियायती किराए ऑफर करता था। आईआरसीटीसी साल 2019 के अंत तक 60 साल से अधिक उम्र के सीनियर सिटीजन और 58 साल या उससे अधिक उम्र की महिला बुजुर्ग यात्रियों को दुरंतो, शताब्दी, जन शताब्दी, राजधानी, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के ट्रेन टिकटों पर किराए में छूट देता था। जहां पुरुष वरिष्ठ नागरिक 40 प्रतिशत की रियायत के पात्र थे, वहीं महिला वरिष्ठ नागरिक ट्रेन टिकट पर 50 प्रतिशत की छूट का लाभ उठा सकती थी।साल 2019 के अंत तक सीनियर सिटीजन को ट्रेनों की टिकट की कीमत पर 40 से 50 फीसदी तक की छूट मिली थी। अगर राजधानी का फर्स्ट एसी का टिकट 4,000 रुपये है तो सीनियर सिटीजन को 2,000 या 2,300 रुपये में मिलता था। फिर साल 2019 के अंत और साल 2020 की शुरूआत में कोविड देश और पूरी दुनिया में फैल गया जिसके बाद क्र्ळ्ळ्ठ की टिकट बुकिंग विंडो पर ये सर्विस मिलनी बंद हो गई। अब सीनियर सिटीजन उम्मीद कर रहे हैं कि बजट में उन्हें ये खास छूट फिर से मिलेगी। सीनियर सिटीजंस का कहना है कि कई ऐसे बुजुर्ग हैं, जिनका अपना घर नहीं है। वे किराया के घरों में रहते हैं। उन्हें हर महीने मकानमालिक को किराया चुकाना पड़ता है। रेगुलर इनकम नहीं होने से उन्हें दिक्कत आती है। सरकार को ऐसे सीनियर सिटीजंस को घर के किराए पर टैक्स डिडक्शन देना चाहिए, जिनकी रेगुलर इनकम नहीं है। इससे बुजुर्गों पर टैक्स का बोझ कम होगा। उन्हें उम्मीद है कि वित्तमंत्री इस बार बजट में उनकी यह मांग पूरी करेंगी।

वर्तमान में, मूल कर छूट सीमा वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष से अधिक आयु) के लिए 3 लाख रुपये और बहुत वरिष्ठ नागरिकों (80 वर्ष से अधिक आयु) के लिए 5 लाख रुपये है। यह वह सीमा है जिस तक वरिष्ठ नागरिक की आय पर कर नहीं लगता है। अब, मांग यह है कि बजट में नई कर व्यवस्था में वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष से अधिक) के लिए मूल कर छूट सीमा को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया जाना चाहिए, जो कि बहुत वरिष्ठ नागरिकों (80 वर्ष से अधिक) के समान है।

वरिष्ठ नागरिक आगामी 2025 बजट में संभावित बोनस योजनाओं और कर प्रोत्साहनों को लेकर आशान्वित हैं। यह उम्मीद बुजुर्ग आबादी के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर आधारित है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए तैयार किए गए बोनस धन का सीधा इंजेक्शन प्रदान कर सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य देखभाल, दैनिक जीवन और अन्य आवश्यक खर्चों से जुड़ी बढ़ती लागत को संबोधित करने में मदद मिलेगी। इससे न केवल वरिष्ठ नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा बढ़ेगी बल्कि समाज में उनके योगदान को भी मान्यता मिलेगी। तो, ये वित्त वर्ष 2025 - 26 के आगामी केंद्रीय बजट के लिए वरिष्ठ नागरिकों की कुछ सामान्य उम्मीदें हैं। वरिष्ठ नागरिकों की आर्थिक चुनौतियों का समाधान करके, सरकार बुजुर्ग समुदाय को सशक्त और उत्थान कर सकती है, जिससे उनकी सेवानिवृत्ति के वर्षों के दौरान अधिक सम्मानजनक और आरामदायक जीवन सुनिश्चित हो सके। हालांकि, चूंकि यह बजट 'वोट ऑन अकाउंट' है, इसलिए ये उम्मीदें पूरी होंगी या नहीं, इसका खुलासा 23 जुलाई 2024 को होगा।

# कर्मचारियों की कमी से जूझती शासन व्यवस्था



-प्रियंका सौरभ

- प्रियंका सौरभ

भारतीय शासन व्यवस्था को अक्सर 'लोगों की कमी' लेकिन 'प्रक्रियाओं की कमी' के रूप में वर्णित किया जाता है, जो कि प्रभावी शासन के लिए उपलब्ध बड़ी प्रशासनिक मशीनरी और सीमित मानव संसाधनों के बीच असंतुलन को दशार्ता है। जबकि नौकरशाही प्रक्रियाएँ अच्छी तरह से स्थापित हैं, कर्मियों की कमी कुशल कार्यान्वयन में बाधा डालती है। यह विरोधाभास देरी, अक्षमताओं और अपर्याप्त सार्वजनिक सेवा वितरण का कारण बनकर शासन को प्रभावित करता है, जिससे नागरिकों की जरूरतों के प्रति राज्य की जवाबदेही कम होती है। शासन व्यवस्था को 'लोगों की कमी' लेकिन 'प्रक्रियाओं की कमी' के रूप में वर्णित किया जाता है। भारतीय राज्य में प्रति व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या कम है, जिसके परिणामस्वरूप जटिल शासन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कर्मियों की कम उपस्थिति है। भारत में प्रति मिलियन केवल 1,600 केंद्रीय सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिका में प्रति मिलियन 7,500 हैं, जिससे राज्य की दक्षता प्रभावित होती है। कम सिविल सेवकों के बावजूद, नौकरशाही लाइसेंसिंग, परमिट और मंजूरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं में फंसी हुई है। व्यवसाय शुरू करने के लिए मंजूरी, परमिट और अनुमोदन की भूलभुलैया से गुजरना पड़ता है जो प्रगति में बाधा डालते हैं और परिणामों में देरी करते हैं। भारतीय राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पुलिसिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवरों की कमी है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास केवल 7,000 कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व में 22,000 कर्मचारी हैं, जो राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता के प्रबंधन में प्रभावशीलता को सीमित करता है। नीति-निर्माण अत्यधिक केंद्रीकृत है, लेकिन कार्यान्वयन सीमित फ्रंटलाइन कर्मियों द्वारा की जाने वाली एक बोझिल प्रक्रिया बनी हुई है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजनाओं को क्रियान्वित करता है, जबकि नीति निर्माण मंत्रालय स्तर पर रहता है, जिससे देरी और लागत में कमी आती है। सरकारी कर्मचारियों का छोटा आकार अधिकारियों पर अत्यधिक बोझ डालता है, जिससे प्रभावी नीति निष्पादन मुश्किल हो जाता है। अपर्याप्त जनशक्ति और अत्यधिक प्रक्रियाओं के कारण सेवाओं में देरी होती है, क्योंकि अधिकारी काम की मात्रा को संभालने के लिए संघर्ष करते हैं। बोझिल विनियामक मंजूरी और अग्रिम पंक्ति के निर्णय लेने वाले प्राधिकरण की कमी के कारण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को लागत में वृद्धि और देरी का सामना करना पड़ता है। नीति निर्माण और निष्पादन का विभाजन निर्णय लेने वालों और सेवा कार्यान्वयनकताओं के बीच एक वियोग पैदा करता है, जिससे खराब प्रदर्शन के लिए जवाबदेही कम हो जाती है। जब सड़क निर्माण परियोजनाओं में समस्याएँ आती हैं, तो मंत्रालयों और कार्यान्वयनकताओं के बीच निगरानी के लिए स्पष्ट ज़िम्मेदारी की अनुपस्थिति के कारण दोषारोपण और अक्षमताएँ होती हैं। सरकार के भीतर कौशल की कमी के कारण महत्वपूर्ण कार्यों के लिए निजी परामर्श फर्मों पर निर्भरता बढ़ जाती है, जिससे सार्वजनिक व्यय बढ़ जाता है। भारत सरकार ने उन कार्यों के लिए परामर्श शुल्क पर 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए, जिन्हें बेहतर प्रशिक्षित अधिकारियों के साथ घर में ही प्रबंधित किया जा सकता था। नौकरशाही की जटिल प्रक्रियाएँ जोखिम लेने और विवेकाधीन निर्णय लेने से परहेज पैदा करती हैं, जिससे नवाचार बाधित होता है और अनुकूलन धीमा होता है। उच्च सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन और नौकरी की सुरक्षा के साथ प्रोत्साहनों का गलत संरेखण ऐसे लोगों को आकर्षित करता है जो सामाजिक सेवा के बजाय वित्तीय लाभ से प्रेरित होते हैं। लोगों की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न स्तरों पर योग्य पेशेवरों की भर्ती बढ़ाएँ, जिससे कुशल कार्यबल सुनिश्चित हो। मिशन कर्मयोगी जैसे पार्श्व प्रवेश कार्यक्रम और विशेष प्रशिक्षण पहल सिविल सेवकों के कौशल और दक्षता में सुधार कर सकते हैं। कार्यान्वयन से संबंधित निर्णय लेने, जवाबदेही में सुधार और प्रक्रियाओं को गति देने के लिए प्रत्यायोजित अधिकार के साथ फ्रंटलाइन कर्मियों को सशक्त बनाएँ। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के समान नीतियों को क्रियान्वित करने में फ्रंटलाइन कार्यकताओं को अधिक नियंत्रण देने से देरी कम होती है और दक्षता में सुधार होता है।

लाइसेंस और मंजूरी के बोझ को कम करने के लिए नौकरशाही प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करें, जिससे नागरिकों और व्यवसायों के लिए सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच आसान हो। परमिट और अनुमोदन के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान करने वाले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जटिलता को कम कर सकते हैं और प्रक्रियाओं को गति दे सकते हैं। मध्यम वेतन सुधार लागू करें जो सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन को निजी क्षेत्र के मुआवजे के साथ संरेखित करते हैं, भ्रष्टाचार को हतोत्साहित करते हैं और सामाजिक सेवा से प्रेरित व्यक्तियों को आकर्षित करते हैं। प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहनों को लागू करना और प्रतिस्पर्धी, लेकिन उचित वेतन सुनिश्चित करना सामाजिक सोच वाले पेशेवरों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के आकर्षण को बढ़ा सकता है। निरीक्षण और जवाबदेही तंत्र को मजबूत करें: नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और केंद्रीय सतर्कता आयोग जैसी एजेंसियों में सुधार करें ताकि ऑडिट और जांच को अधिक प्रासंगिक बनाया जा सके और केवल अनुपालन के बजाय नीति उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। निरीक्षण एजेंसियों को नीतिगत निर्णयों की जटिलताओं के प्रति संवेदनशील बनाने से यह सुनिश्चित होगा कि वे संदर्भ को समझें, जिससे मुकदमेबाजी और परियोजना निष्पादन में देरी कम होगी।. भारत के ह्यलोगों की संख्या कमह्ल लेकिन ह्यप्रक्रियाओं की संख्या अधिकह्ल होने के कारण शासन में अधिक जवाबदेही और दक्षता की आवश्यकता है। मानव संसाधनों को मजबूत करना, निर्णय लेने को विकेंद्रीकृत करना और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना सार्वजनिक सेवा वितरण को सुव्यवस्थित कर सकता है, जिससे बेहतर पहुंच और जवाबदेही सुनिश्चित हो सकती है। भविष्य-केंद्रित दृष्टिकोण को क्षमता निर्माण और पारदर्शिता पर जोर देना चाहिए, जिससे अधिक जन-केंद्रित और प्रभावी शासन प्रणाली को

**सरकारी कर्मचारियों का छोटा आकार अधिकारियों पर अत्यधिक बोझ डालता है, जिससे प्रभावी नीति निष्पादन मुश्किल हो जाता है। अपर्याप्त जनशक्ति और अत्यधिक प्रक्रियाओं के कारण सेवाओं में देरी होती है, क्योंकि अधिकारी काम की मात्रा को संभालने के लिए संघर्ष करते हैं। भारतीय राज्य में प्रति व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या कम है, जिसके परिणामस्वरूप जटिल शासन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कर्मियों की कम उपस्थिति है। भारत में प्रति मिलियन केवल 1,600 केंद्रीय सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिका में प्रति मिलियन 7,500 हैं, जिससे राज्य की दक्षता प्रभावित होती है। कम सिविल सेवकों के बावजूद, नौकरशाही लाइसेंसिंग, परमिट और मंजूरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं में फंसी हुई है। व्यवसाय शुरू करने के लिए मंजूरी, परमिट और अनुमोदन की भूलभुलैया से गुजरना पड़ता है जो प्रगति में बाधा डालते हैं और परिणामों में देरी करते हैं। भारतीय राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पुलिसिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवरों की कमी है। लोगों की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न स्तरों पर योग्य पेशेवरों की भर्ती बढ़ाएँ, जिससे कुशल कार्यबल सुनिश्चित हो। मिशन कर्मयोगी जैसे पार्श्व प्रवेश कार्यक्रम और विशेष प्रशिक्षण पहल सिविल सेवकों के कौशल और दक्षता में सुधार कर सकते हैं।**

# भागवत को क्यों दी जा रही है धर्म गुरु नहीं बनने की नसीहत



-संजय सक्सेना

अपना देश एक रंग बिरंगे गुलदस्ते की तरह है। अनेकता में एकता जिसकी शक्ति है। यहां विभिन्न धर्म और उनकी अलग-अलग पूजा पद्धति देखने को मिलती है तो देश का सामाजिक और जातीय ताना बाना भी काफी बंटा हुआ हुआ है। ऐसे में किसी भी मुद्दे पर किसी तरह की प्रतिक्रिया देने से पूर्व सौ बार उसके बारे में सोचना पड़ता है ।वर्ना देश का माहौल खराब होने या जनता की भावनाएं भड़कने में देरी नहीं लगती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान इसका सबसे ताजा उदाहरण है। वैसे यह भी सच्चाई है कि भागवत के बयान पर पहली बार हो-हल्ला नहीं मच रहा है ।इससे पूर्व भी भागवत के आरक्षण, ब्राह्मणों,डीएनए से जुड़े बयानों पर हंगामा खड़ा हो चुका है। अब संघ प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद वाले बयान पर साधु-संतों की ओर से आपत्ति सामने आई है। देश में हिंदू संतों की प्रमुख संस्था अखिल भारतीय संत समिति ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हर जगह मंदिर तलाशने और इसके सहारे कुछ लोगों का हिंदुओं का नेता बनने की कोशिश वाली टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। समिति ने कहा है कि विभिन्न स्थलों पर मंदिर-मस्जिद विवाद को उठाने वाले नेताओं को अपने दायरे में रहना चाहिए। समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा धार्मिक है और इसका फैसला धर्माचार्यों की ओर से किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस मुद्दे को सांस्कृतिक संगठन आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत को छोड़ देना चाहिए। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि जब धर्म का विषय उठेगा तो उसे धर्माचार्य तय करेंगे। जब यह धर्माचार्य तय करेंगे तो उसे संघ भी स्वीकार करेगा और विश्व हिंदू परिषद भी। स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा कि मोहन भागवत की अतीत में इसी तरह की टिप्पणियों के बावजूद 56 नए स्थानों पर मंदिर पाए गए हैं, जो मंदिर-मस्जिद मुद्दों में रुचि और कार्रवाई का संकेत देते हैं। जितेंद्रानंद महाराज ने जोर देकर कहा कि धार्मिक संगठन जनता की भावनाओं के अनुसार कार्य करते हैं। इन समूहों के कार्य उन लोगों की मान्यताओं और भावनाओं से आकार लेते हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि केवल राजनीतिक प्रेरणाओं से। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती की यह टिप्पणी जगद्गुरु रामभद्राचार्य की ओर से मोहन भागवत से असहमति व्यक्त करने के एक दिन बाद आई है। बता दें जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने अपने बयान में कहा था कि मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मोहन भागवत हमारे अनुशासनकर्ता नहीं हैं, बल्कि हम हैं। साधू संत तो भागवत के बयान से नाराज हैं हीं इसके साथ-साथ यह भी पहली बार देखने को मिल रहा है कि आरएसएस प्रमुख को ह्यपरिवारह्य के भीतर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले द्वारका में द्वारका शारदा पीठम और बद्रीनाथ में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती संघ परिवार के खिलाफ रुख अपनाते थे, लेकिन उन्हें कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित बता कर उनके बयानों को खारिज कर दिया जाता था। बहरहाल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ-साथ अन्य हिंदू धार्मिक गुरु आरएसएस के सुर में सुर मिलाने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि संघ को आस्था के मामलों में धार्मिक हस्तियों के नेतृत्व का सम्मान करना चाहिए। उधर,राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह स्थिति धार्मिक मामलों में आरएसएस की भूमिका और प्रभाव को लेकर हिंदू धार्मिक समुदाय के भीतर संभावित झगड़े को भी दशार्ती है ।रामभद्राचार्य ने कहा कि संभल में जो कुछ भी हो रहा था वह वास्तव में बुरा था। उन्होंने कहा कि इस मामले में सकारात्मक पक्ष यह है कि चीजें हिंदुओं के पक्ष में सामने आ रही हैं। हम इसे अदालतों, मतपत्रों और जनता के समर्थन से सुरक्षित करेंगे। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों पर भी चिंता व्यक्त की। बता दें हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उभरने पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने लोगों को ऐसे मुद्दों को न उठाने की सलाह दी। मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवादों को उछाल कर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों की ओर से देश भर में विभिन्न अदालतों में दशकों पुरानी मस्जिदों पर दावे जैसी मांग के बाद आया है। इस पर हिंदूवादी संगठलनों का दावा है कि ये पुरानी मस्जिदें, मंदिर स्थलों पर बनाई गई थीं। इन मस्जिदों में जौनपुर की अटाला और संभल की शाही जामा मस्जिद भी शामिल है, जिस मामले में हाल ही में हिंसा हुई थी। 24 नवंबर को भड़की हिंसा में पांच लोग मारे गए थे। उधर,आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर राजनीति भी थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का मंदिर-मस्जिद विवाद न उठाने का बयान लोगों को गुमराह करने के उद्देश्य से था। यह आरएसएस की खतरनाक कार्यप्रणाली को दशार्ता है, क्योंकि इसके नेता जो कहते हैं उसके ठीक विपरीत करते हैं। वे ऐसे मुद्दे उठाने वालों का समर्थन करते हैं। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आरएसएस प्रमुख को घेरा। उन्होंने कहा कि अगर आरएसएस प्रमुख ईमानदार हैं तो उन्हें सार्वजनिक रूप से घोषणा करनी चाहिए कि भविष्य में संघ ऐसे नेताओं का समर्थन कभी नहीं करेगा जो सामाजिक सद्भाव को खतरे में डालते हैं। जयराम ने कहा कि आरएसएस प्रमुख ऐसा नहीं कहेंगे, क्योंकि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा आरएसएस के इशारे पर हो रहा है। कई मामलों में, जो लोग ऐसे विभाजनकारी मुद्दों को भड़काते हैं और दंगे करवाते हैं, उनके आरएसएस से संबंध होते हैं।

## बोईसर-पालघर पत्रकार संघ की बैठक संपन्न

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** पत्रकारिता के साथ ही साथ सामाजिक कार्यों के लिए प्रसिद्ध पत्रकारों का संगठन बोईसर-पालघर पत्रकार संघ (रजि.) के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला की अध्यक्षता में पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत चित्रालय स्थित सरोवर होटल में बैठक आयोजित की गई। संघ की इस बैठक में आगामी 6 जनवरी 2025 को मराठी पत्रकारिता के जनक आचार्य बालशास्त्री जाम्भेकर की जयंती मानने की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान पत्रकार संघ के उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पत्रकार दिवस को भव्य दिव्य बनाने हेतु अपना समर्थन देते हुए हर तरीके से सहयोग करने का वचन दिया। बोईसर पालघर पत्रकार संघ (रजि.) की बैठक में अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, कार्याध्यक्ष जयप्रकाश पाटील, उपाध्यक्ष भूपनारायण शुक्ला व प्रवीण पाटील, महासचिव मोहन म्हात्रे, सह सचिव अजीत सिंह, सह कोषाध्यक्ष जयप्रकाश जायसवाल, कार्यकारी सदस्य मृत्युंजय पाण्डेय, संगीता शाह, अमित शिवकुमार दुबे, नीता राऊत आदि मौजूद रहे।

## नायर अस्पताल में एक सप्ताह से बंद है हार्ट की सर्जरी, मरीज परेशान

**मुंबई।** एक जमाना था की मुंबई मनपा द्वारा संचालित के.एम , नायर , सायन, अस्पताल में देश के अन्य राज्यों से मरीज इलाज के लिए आते थे लेकिन आज उन्हीं मनपा अस्पतालों में मरीजों को इलाज के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है। बता दें कि मनपा के नायर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक सप्ताह से हार्ट का ऑपरेशन बंद है। इससे सर्जरी का इंतजार कर रहे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकार सूत्रों से पता चला है कि ठेकेदार द्वारा सर्जरी के लिए उपयोग में आने वाले जरूरी सर्जिकल उपकरण की आपूर्ति नहीं की जा रही है। बताया जा रहा है कि ठेकेदार ने यह कदम उसके बकाया रकम के भुगतान न हीं होने पर उठाया है।

ज्ञात हो कि नायर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में मरीजों के लिए 1800 बेड हैं। दक्षिण मुंबई स्थित इस अस्पताल में रोजाना इलाज के लिए ओपीडी में साढ़े तीन हजार के करीब मरीज आते हैं। मुंबई कांग्रेस रोजगार स्वयं रोजगार विभाग के महासचिव डॉक्टर सत्तार खान ने बताया कि मुंबई मनपा का सालाना बजट देश के अन्य कई छोटे राज्यों के बराबर है उसके बाद भी नायर अस्पताल में आए दिन चिकित्सा सुविधाओं की कमी के बारे में शिकायतें आती रहती हैं। पिछले एक सप्ताह से इस अस्पताल में हार्ट की सर्जरी बंद है जो की दुर्भाग्यपूर्ण है। डॉक्टर सत्तार खान ने मुंबई मनपा आयुक्त से नायर अस्पताल में हार्ट की सर्जरी जल्द से शुरू कराने की मांग की है।

## क्रेडिट कार्ड : इस सर्दी में ट्रैवलर्स और यात्रा के शौकीनों का सच्चा साथी

**मुंबई।** जैसे ही सर्दियां शुरू होती हैं, मौसम यादगार यात्राओं, आरामदायक विश्राम स्थलों और दूर-दराज के गंतव्यों में रोमांच के लिए पुकारता है। यात्रा के शौकीन लोगों के लिए, ट्रैवल क्रेडिट कार्ड सिर्फ एक भुगतान उपकरण नहीं है - यह प्रीमियम अनुभवों, वित्तीय सुविधा और बेजोड़ रिवार्ड्स का पासपोर्ट है। बेहतर यात्रा लाभ, पुरस्कार, बचत, मजबूत बीमा कवरेज और कम विदेशी मुद्रा मार्क-अप के साथ, ट्रैवल क्रेडिट कार्ड दुनिया की खोज को सुविधाजनक और फायदेमंद दोनों बनाते हैं। चाहे वह ट्रापिकल क्षेत्रों में जाना हो या बफीर्ले इलाकों में, आपका ट्रैवल क्रेडिट कार्ड यह सुनिश्चित करता है कि आप अविस्मरणीय यादें संजोते हुए अधिक बचत करें। प्रीमियम ट्रैवल क्रेडिट कार्ड आपको हर यात्रा-संबंधी खर्च पर एयर माइल्स, रिवॉर्ड पॉइंट्स या कैशबैक अर्जित करने की अनुमति देते हैं - चाहे वह फ्लाइट बुकिंग हो, होटल में ठहरना हो या भोजन करना हो। उदाहरण के लिए, क्रिसफ्लायर एसबीआई कार्ड जैसे कार्ड प्रति वर्ष 80,000 मील तक, 10,000 मील तक का वेलकम बोनस और ?10 लाख के वार्षिक खर्च पर 3000 मील का अतिरिक्त बोनस प्रदान करते हैं। क्रिसफ्लायर एसबीआई कार्ड के माध्यम से अर्जित किए गए माइल्स को सिंगापुर एयरलाइंस पर फ्लाइट टिकट या अपग्रेड के लिए, स्कूट पर उड़ानें, KrisShop.com से खरीदे गए उपहार और पेलेगो के माध्यम से विश्व स्तर पर यात्रा अनुभवों की बुकिंग के लिए भी भुनाया जा सकता है। एसबीआई कार्ड माइल्स, एक अन्य ट्रैवल क्रेडिट कार्ड है जिसे दुनिया भर में भ्रमण करने वालों के लिए डिजाइन किया गया है जो ट्रैवल क्रेडिट को एयर माइल्स और होटल पॉइंट्स में बदलने के साथ-साथ यात्रा बुकिंग पर त्वरित पुरस्कार और कई अन्य विशेषाधिकारों के साथ हवाई अड्डे के लाउंज तक पहुंच चाहते हैं। यह क्रेडिट कार्ड 12 लाख खर्च करने पर 20,000 तक का ट्रैवल क्रेडिट प्रदान करता है, साथ ही 15 लाख खर्च करने पर वार्षिक शुल्क में छूट भी मिलती है। यात्रा में अक्सर लंबी यात्राएं और देरी शामिल होती है, लेकिन प्रीमियम ट्रैवल क्रेडिट कार्ड के साथ, आराम से कभी समझौता नहीं किया जाता है। मानार्थ हवाई अड्डे के लाउंज तक पहुंच, प्राथमिकता चेक-इन और रियायती होटल में ठहरने जैसी सुविधाएं कार्डधारक के यात्रा अनुभव को बढ़ाती हैं।

## होंडा मोटरसाइकिल ने लॉन्च किया नया 2025 यूनिकॉर्न

**मुंबई।** होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज नई यूनिकॉर्न लॉन्च की है, जो OBD2B मानकों के अनुरूप है। यह बाइक परफॉर्मेंस और भरोसे का एक सदाबहार प्रतीक है। इसे आज के तरक्की पसंद राइडर्स की मांगों को पूरा करने के लिए अब हाई-टेक फीचर्स से लैस किया गया है। 2025 होंडा यूनिकॉर्न की कीमत दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत 1,19,481 रुपये रखी गई है। नई यूनिकॉर्न को पेश करते हुए होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ श्री त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, होंडा यूनिकॉर्न हमेशा से भारत के प्रीमियम यात्री वर्ग में अग्रणी रही है। पिछले कुछ वर्षों में, इसने लाखों ग्राहकों का भरोसा जीता है और यह गुणवत्ता, विश्वसनीयता और आराम का पर्याय बन चुकी है। नए 2025 मॉडल के लॉन्च के साथ, हम इसकी विरासत को और मजबूत कर रहे हैं। नए फीचर्स और अपडेट्स यूनिकॉर्न के आकर्षण को नई पीढ़ी के ग्राहकों तक पहुंचाएंगे। लॉन्च पर होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के सेल्स और मार्केटिंग डायरेक्टर श्री योगेश माथुर ने कहा, 2025 यूनिकॉर्न में होंडा की प्रमाणित इंजीनियरिंग को एडवांस फीचर्स, व्यावहारिकता और OBD2B मानकों के अनुरूप अपडेटेड इंजन जैसी कई खास खूबियों के साथ जोड़ा गया है।

# जनेप प्राधिकरण ने वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के लिए टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड एसएआरएल के साथ समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर

**मुंबई (उत्तरशक्ति / अजीत सिंह)।** जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण - भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पत्तन ने सोमवार 23 दिसंबर 2024 को टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड एस.ए.आर.एल. (टी.आई.एल.) के साथ एक महत्वपूर्ण सहयोग स्थापित करते हुए वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के निर्माण के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं। यह साझेदारी भारत में पत्तन के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और वाढवण पत्तन को भविष्य के विश्व स्तरीय पत्तन में बदलने के लिए जनेप प्राधिकरण की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इस पर जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष उन्मेष शरद वाघ भा.रा.से., और सीएमडी, वाप परियोजना लिमिटेड और कॅप्टन दीपक तिवारी द्वारा हस्ताक्षर किये गये। समझौता ज्ञापन के अनुसार टी.आई.एल. ने वाढवण पत्तन और उसके आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए अनुमानित 20,000 करोड़ रुपये का निवेश करने का प्रस्ताव दिया है। टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के साथ एस.ए.आर.एल. भारत के समुद्री विकास के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रहा है। टी.आय.एल. स्विट्जरलैंड के बाहर स्थित कंटेनर टर्मिनलों का एक विविध पोर्टफोलियो है, जो दुनिया के प्रमुख नौवहन मार्गों पर प्रमुख पत्तन पर

रणनीतिक रूप से स्थित है, जो प्रमुख परिपक्व और विकसित बाजारों तक पहुंच प्रदान करता है। इस अवसर पर बोलते हुए जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष उन्मेष शरद वाघ ने भा.रा.से. और सीएमडी, वाप परियोजना लिमिटेड ने कहा कि ह्लटर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड एस.ए.आर.एल. के साथ समझौता ज्ञापन वाढवण पत्तन के लिए हमारे दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत में पत्तन के बुनियादी ढांचे को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। यह साझेदारी न केवल भारत के समुद्री क्षेत्र में वैश्विक निवेशकों के विश्वास को दशार्ती है, बल्कि अत्याधुनिक तकनीक, टिकाऊ प्रथाओं और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के एकीकरण को भी सुनिश्चित करती है। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य एक ऐसा पत्तन पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जो दक्षता और नवाचार में नए मानक स्थापित करे।ह्ल वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड ने हाल ही में वाढवण पत्तन कौशल कार्यक्रम भी शुरू किया है, जिसे वाढवण क्षेत्र के युवाओं के लिए डिजाइन किया गया है।

चयनित समुद्री प्रशिक्षण संस्थानों (एम.टी.आय.एस.) के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नौवहन महानिदेशालय और जनेप प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये हैं। जनेप प्राधिकरण के बारे में बतादें कि जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर-हैंडलिंग बंदरगाहों में से एक है। 26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों - एन.एस. एफ.टी., एन.एस.आई.जी.टी., बी.एम.सी.टी. और ए.पी.एम.टी. का संचालन करता है। बंदरगाह में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जे.एन.पी.ए. पोर्ट पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बी.पी.सी.एल.-आई.ओ.सी.एल. कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है।

## समता विद्यामंदिर स्कूल का खेल महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** समता विद्या मंदिर साकीनाका स्कूल का वार्षिक खेल महोत्सव 2024-25 हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसका आयोजन संस्था के सचिव राजेश सूभेदार के मार्गदर्शन में माणिकलाल मैदान में किया गया। राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी और छत्रपति पुरस्कार विजेता रवि करमकर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। तीन दिवसीय खेल महोत्सव के दौरान छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसमें कबड्डी, खो-खो, लंगड़ाना, दौड़ना, गेंद फेंकना, रस्सी कूदना, कैरम, शतरंज जैसी प्रतियोगिताएं हुईं। स्कूल प्रतियोगिता का विशेष आकर्षण अभिभावकों के लिए म्यूजिकल चेयर रही। अंतिम दिन विजेता खिलाड़ियों का पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छत्रपति शिवाजी महाराज राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता खो-खो खिलाड़ी नरेंद्र कुंदर शामिल हुए। नरेंद्र कुंदर ने विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी दी।

## मैच फिक्सिंग- द नेशन एट स्टेक' से पल्लवी गुर्जर की फिल्म प्रोडक्शन में एंट्री

**मुंबई।** मनोरंजन उद्योग और थिएटर में २० से अधिक वर्षों से अनुभवी पल्लवी गुर्जर, राजनीति के परिणामस्वरूप भारत भर में बम विस्फोटों की एक श्रृंखला के दौरान हुई घटनाओं की पुनरावृत्ति के साथ अपने निर्देशन की शुरूआत कर रही हैं। वह २ दशकों से अधिक समय से मनोरंजन उद्योग में हैं और उन्होंने हेमा मालिनी, लिलेट दुबे और अनुपम खेर जैसी प्रसिद्ध हस्तियों के साथ काम किया है। इसके अलावा, वह अब मैच फिक्सिंग- द नेशन एट स्टेक के साथ फिल्म निर्माण की दुनिया में एक प्रमुख प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

वह थिएटर और मनोरंजन उद्योग के लिए एक कंसल्टेंसी आर्ट एरेना की संस्थापक निदेशक हैं और उनके नाम पर कई प्रशंसित परियोजनाएं हैं जैसे 'मेरा वो मतलब नहीं था', 'डिनर विद फ्रेंड्स' आदि। २००३ में कंपनी शुरू करने के बाद से, अपने काम के प्रति उनके जुनून और मजबूत झुकाव और जिन लोगों के साथ वह काम करती हैं उनके प्रति उनके समर्पण के कारण यह तेजी से बढ़ी है।मुंबई विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य और मनोविज्ञान में स्नातक करने के बाद उनकी यात्रा शुरू हुई। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से ड्रामा में डिप्लोमा किया और फिर ८ साल तक नेहरू सेंटर के कल्चर विंग में काम किया। इस योग्यता के साथ, उन्होंने उद्योग में निदेशक, रचनात्मक डिजाइनर और प्रबंधक, दृश्य और ग्राफिक डिजाइनर के रूप में कई भूमिकाएँ निभाई हैं। उनका गतिशील व्यक्तित्व उनके द्वारा की गई कई गतिविधियों में परिलक्षित होता है, जो केवल फिल्मों तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि विभिन्न व्यावसायिक नाटक, बैले प्रस्तुतियां, नृत्य गायन और बहुत कुछ शामिल हैं। पल्लवी गुर्जर 'द गेम बिहाइंड सैफ्रन टेरर' किताब से प्रेरित थीं, जिसे के.एस. ने लिखा था। खटाना स्थिति का विश्लेषण करते हैं और बताते हैं कि कैसे राजनीति, व्यक्तिगत लाभ, धर्म और विनाश के बीच की रेखाएं धुंधली हो गई हैं। उनका मानना था कि भारतीय दर्शकों को आज की दुनिया में आम आदमी की आंखों के सामने पर्दे के पीछे जो कुछ होता है, उसका सच देखने की जरूरत है। पल्लवी कहती हैं, ₹फिल्म इस बात की तीखी आलोचना पेश करती है कि कैसे राजनीति और सुरक्षा के बीच का खतरनाक अंतरसंबंध किसी देश की भलाई के लिए खतरा पैदा कर सकता है।₹ फिल्म को टिके रखने के लिए पल्लवी को काफी मेहनत करनी पड़ी। इसके अलावा, एक याचिका के कारण उन्हें हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसमें दावा किया गया था कि फिल्म चल रहे मुकदमे की निष्पक्षता को प्रभावित करेगी। कई अखबारों ने अपने लेखों में इस मुद्दे को इस बात पर अनिश्चित दृष्टिकोण के साथ कवर किया कि फिल्म को रिलीज होने की अनुमति दी जाएगी या नहीं। मामले पर कुछ दिनों के सस्पेंस के बाद, टाइम्स अखबार में ₹एनआईए ने जवाब दाखिल किया, निमार्ता सुनना चाहता है₹ शीर्षक छपा। एनआईए मामले में पल्लवी के हस्तक्षेप के बाद, उनके प्रयासों का अंतिम सुनवाई पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप अंततः बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा फिल्म को रिलीज किया गया। पल्लवी गुर्जर. फिल्म के निर्देशक केदार गायकवाड़, विनीत कुमार सिंह, मनोज जोशी, राज अर्जुन और कई अन्य प्रतिभाशाली कलाकारों सहित कलाकारों ने फिल्म की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की है।

## वैद्यकीय मदत कक्ष का मार्गदर्शन शिविर सम्पन्न

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंद मरीजों की मदद करने वाली मुंबई की वैद्यकीय मदत कक्ष का मार्गदर्शन शिविर कार्यक्रम लोअर परेल में संपन्न हुआ।

इस शिविर में केएम अस्पताल के चिकित्सा सहायक मनोज तेलकटवार, शंभु देव दलवी, वसंत सुतार, अंजलि साखरे, एड नेहा वाडेकर, धनंजय पवार, विनोद सडविलकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मरीजों को समय पर बेड कैसे मिले, मरीजों को विभिन्न सरकारी सहायता योजनाओं का लाभ कैसे मिले, इसकी जानकारी के लिए वैद्यकीय मदत कक्ष के सदस्यों के लिए मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य

व्यक्तियों ने अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष कृष्णा मारुति कदम द्वारा आयोजित इस शिविर में वैद्यकीय मदत कक्ष द्वारा दो जरूरतमंद लोगों की मदद की गई। चौथी कक्षा का छात्र विग्नेश राकेश मोकल दृष्टिबाधित है। हजारों बच्चों में एक मामला ऐसा होता है कि बच्चे को अलग तरह का चश्मा देने की जरूरत पड़ती है। विग्नेश मोकल नामक युवक को निःशुल्क चश्मा दिया गया। अध्यक्ष कृष्णा मारुति कदम ने बताया कि सुनंदा जाधव कनकवली में रहती हैं और चलने में असमर्थ हैं.उन्हे व्हील चेयर दी गयी।

## अंबरनाथ में आयोजित अखिल महाराष्ट्र उर्दू भाषण प्रतियोगिता में रईस हाई स्कूल को प्रथम पुरस्कार

**आचार्य सूरजपाल यादव**

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** ठाणे जिले के नेशनल उर्दू हाई स्कूल अंबरनाथ में अखिल महाराष्ट्र उर्दू भाषण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया जिसमें महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों मालेगांव, धुलिया, नासिक, पुणे, मुंबई, ठाणे,कल्याण ,मुंब्रा,भिवंडी आदि से छात्र वक्ता शामिल हुए । इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में 40 स्कूलों के 80 छात्र/छात्राओं ने हिस्सा लिया था । उक्त प्रतियोगिता में भिवंडी शहर के सरदार हाजी अमीर साहिब रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के सातवीं कक्षा के छात्र मोमिन अशबर एजाज ने भाग लिया और ₹किरदार

के गाजी₹ विषय पर एक आकर्षक और भावपूर्ण भाषण प्रस्तुत किया ।निर्णायक मंडल के निर्णय के अनुसार मोमिन अशबर एजाज को प्रथम पुरस्कार के लिए चयनित किया गया तथा शानदार भाषण प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ वक्ता की ट्रॉफी भी प्रदान की गयी । छात्र का मार्गदर्शन अंसारी मुहम्मद कामिल मुहम्मद सालिक सर ने किया था । इस खुशी के अवसर पर केएमई सोसायटी के अध्यक्ष अलमाज फकीह,सचिव दानियाल काजी, कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे,चेयरमैन यासर तातली,प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी, उपप्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी, सहायक प्रधानाध्यापक मुखलिस मदू ,पर्यवेक्षक असरार पठान,सिब्तैन कशेलकर वाईसीएमओयू अध्ययन केंद्र के समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी एवं समस्त स्टाफ सदस्यों ने पुरस्कृत छात्र अशबर एजाज और मार्गदर्शक शिक्षक मुहम्मद कामिल अंसारी को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी है ।

## न्यूगो की E-K2K इलेक्ट्रिक बस यात्रा को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने सम्मानित किया

**मुंबई(उत्तरशक्ति)।** ग्रीन सेल मोबिलिटी की भारत की सबसे बड़ी इंटरसिटी इलेक्ट्रिक बस सेवा, न्यूगो को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा सम्मानित किया गया है। न्यूगो को यह सम्मान कश्मीर से कन्याकुमारी के बीच यात्रा के दौरान इलेक्ट्रिक बस द्वारा सबसे अधिक दूरी तय करने की वजह से मिला है। ये उपलब्धि बड़े पैमाने पर लोगों के लिए यात्रा के स्थायी समाधान देने की न्यूगो की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इससे भारत भर में इलेक्ट्रिक बसों की संभावना नजर आती है, वहीं पर्यावरण पर भी उनका प्रभाव देखने को मिलता है। एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की निर्णायक कश्मीरा शाह ने ग्रीन सेल मोबिलिटी के एमडी तथा सीईओ श्री देवेंद्र चावला को रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र और पदक प्रदान किए। न्यूगो ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक इलेक्ट्रिक बस की यात्रा 4 अक्टूबर को जम्मू से शुरू की और 18 अक्टूबर को कन्याकुमारी में यात्रा समाप्त की। इस दौरान 4,039 किलोमीटर के इस सफर में उन्होंने बिना किसी उत्सर्जन के 200+

शहरों और कस्बों को पार किया। समुद्री तल से 3,500 फीट की ऊंचाई पर न्यूगो इलेक्ट्रिक बस यात्रा देशभर में ईको-फ्रेंडली सफर का संदेश दे रही थी। इस रास्ते के अलावा, E-K2K बस ने कई सारे कम्युनिटी आउटरीच कार्यक्रमों का भी आयोजन किया, जिसमें स्टूडेंट्स के लिए कार्यशालाएं, पौधारोपण, नुक्कड़ नाटक आदि शामिल थे। ये यात्रा तकनीकी उपलब्धि से इतर बड़े पैमाने पर पर्यावरण अनुकूल परिवहन के विकल्प पेश करती है। श्री देवेंद्र चावला, सीईओ एवं एमडी, ग्रीन सेल मोबिलिटी का कहना है, यूगो का E-K2K (कश्मीर से कन्याकुमारी) सफर एक बड़े स्तर पर परिवहन और पर्यावरण के अनुकूल भविष्य के लिए इलेक्ट्रॉनिक बसों की बदलाव लाने वाली ताकत को दिखाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 200 से भी अधिक शहरों और कस्बों को पार करता हुआ बस का रिकॉर्ड-तोड़ सफर एक स्वच्छ, हरे-भरे यात्रा के माध्यमों को लेकर जागरूकता फैलाता है। कम्युनिटी के साथ प्रभावी भागीदारी के अभियानों ने सही मायने में ई-बस के जज्बे को दशार्या है, जो सिर्फ बेहतरी के लिए है। हमें इस बात की बेहद खुशी है कि एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने हमारे प्रयासों की सराहना की।

## विनिर्माण अस्थायी कार्यबल के वेतन में 5.6% वार्षिक वृद्धि हुई

**मुंबई।** भारत की प्रमुख स्टाफिंग सॉल्यूशन्स कंपनी टीमलीज सर्विसेज जो रोजगार और श्रमिक ताकत की गतिशीलता में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट 'स्टाफिंग पर्सपेक्टिव ऑन मैन्युफैक्चरिंग' जारी की है। यह रिपोर्ट निर्माण क्षेत्र की संविदात्मक कार्यबल का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करती है, जो प्रमुख प्रवृत्तियों, चुनौतियों और अवसरों को उजागर करती है। निर्माण क्षेत्र 2025-26 तक 1 ट्रिलियन डॉलर का मूल्यांकन प्राप्त करने का लक्ष्य रखता है, श्रमिक बल की गतिशीलता को संबोधित करना निरंतर विकास सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगा। यह विकास सरकारी पहलों, प्रौद्योगिकी में प्रगति और बदलते श्रमिक परिदृश्य द्वारा प्रेरित है। निर्माण क्षेत्र में एक सकारात्मक प्रवृत्ति यह है कि वेतन का परिदृश्य बेहतर हो रहा है। वेतन वित्त वर्ष 21 से वित्त वर्ष 24 तक 5.6% सीएजीआर के साथ बढ़ा है। यह वृद्धि मुद्रास्फीति, कुशल श्रमिकों की बढ़ती मांग और प्रतिभाओं को बनाए रखने के लिए प्रतिस्पर्धी वेतन की आवश्यकता से प्रेरित है। हालांकि, लिंग वेतन अंतर बना हुआ है, जिसमें अस्थायी कार्यबल में पुरुषों का औसत वेतन महिलाओं से अधिक है, जो समान वेतन प्रथाओं की आवश्यकता को और अधिक बढ़ाता है। रिपोर्ट में यह दशार्या गया है कि कैसे विभिन्न उद्योग निर्माण क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देते हैं, जिनमें इंडस्ट्री 4.0 तकनीकों जैसे आईओटी, एआई, रोबोटिक्स, और स्वचालन के साथ, ये क्षेत्र स्मार्ट फैक्ट्रीज के माध्यम से संचालन को तेजी से रूपांतरित कर रहे हैं, जिससे उत्पादकता और दक्षता में वृद्धि हो रही है। इस विकास के लिए बड़े पैमाने पर अपस्किलिंग और रिस्किलिंग पहलों की आवश्यकता है, ताकि बढ़ते कौशल अंतर को पाटा जा सके। रिपोर्ट में यह भी दशार्या गया है कि इस क्षेत्र की कार्यबल मुख्य रूप से युवा है, जिसमें अधिकांश लोग 28-37 आयु वर्ग (43.6%) में आते हैं। यह जनसांख्यिकी तकनीकी परिवर्तनों को अपनाने के लिए अच्छी स्थिति में है, लेकिन इसे तकनीकी और विश्लेषणात्मक क्षेत्रों में क्षमता निर्माण की तत्काल आवश्यकता है। कार्यबल शैक्षिक पृष्ठभूमि के मामले में भी विविध है, जिसमें लगभग आधे लोग स्नातक हैं। दोनों लिंगों का स्नातक स्तर पर सबसे अधिक प्रतिनिधित्व है, पुरुषों के लिए 48.5% और महिलाओं के लिए 46.4%। इस बीच, महाराष्ट्र (17.2%) और तमिलनाडु (14.6%) संविदात्मक कार्यबल योगदान में अग्रणी राज्य हैं, इसके बाद उत्तर प्रदेश (9.6%) और कर्नाटका (9.4%) का स्थान है। यह इन क्षेत्रों की औद्योगिक प्रमुखता को दशार्ता है। दिल्ली (3.6%), राजस्थान (3.5%), और बिहार (3.4%) जैसे राज्यों से छोटे योगदान मिलते हैं, जबकि अन्य योगदानकर्ता (24%) में पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल शामिल हैं।

प्रभावशाली प्रगति के बावजूद, रिपोर्ट में चुनौतियों की भी सूची दी गई है। सबसे उल्लेखनीय निष्कर्षों में से एक अस्थायी कार्यबल के भीतर लैंगिक असमानता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# पुलिसकर्मी ने पीएम-सीएम से की इच्छा मृत्यु की मांग, उपेक्षा का लगाया आरोप

## जौनपुर के हेड कांस्टेबल का वीडियो वायरल, उन्नाव में है पोस्टिंग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर के एक हेड कान्स्टेबल का वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वह अपना सुसाइड नोट पढ़ रहा है। उसने नौ पन्ने का सुसाइड नोट लिखा है। फिलहाल, पुलिसकर्मी की पोस्टिंग उन्नाव में बताई जा रही है। खबर लिखे जाने तक सुसाइड की पुष्टि नहीं हुई थी। जौनपुर का रहने वाला अखिलेश यादव यूपी पुलिस में हेड कान्स्टेबल है। बुधवार को उसने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया। वीडियो में वह कह रहा है कि जाति, धर्म के हिसाब से उसकी उपेक्षा की जा रही है। साथ ही उसका मानसिक और शारीरिक शोषण भी किया जा रहा है। उसने सोनभद्र के एक अधिकारी पर भी संगीन आरोप लगाए हैं। यह भी कहा कि उन्हें फर्जी रिपोर्ट लगाकर बचाया जा रहा है। किसी मामले को लेकर उनके साक्ष्य गायब किए गए हैं। आगे उसने बताया कि इस मामले को लेकर उसने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और कई अधिकारियों को वीडियो और फोटो दिखाकर इसकी जानकारी दे दी थी। न्याय न मिलने पर उसने इस्तीफा पत्र लिख और इच्छामृत्यु की मांग रखी है। कहा कि जो मेरे साथ हुआ है वह किसी और के साथ न हो। न्याय न मिलने पर मैंने आत्महत्या की मांग रखी तो इसकी जांच उन्नाव के अधिकारी कर रहे हैं। इसमें मेरे माता-पिता का भी बयान अंकित किया गया है। कहा कि इस मामले में मुझे बताया गया कि लगभग 30 अधिकारी दोषी हैं।उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे लगभग नौ महीने से गुमराह किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रताड़ित भी किया जा रहा है। एक संगीत मामले में मैंने 172 पन्नों की रिपोर्ट बनाई है। जिसकी वीडियो भी मेरे पास है। कहा कि मैंने इन बेइमानों को गोली मारने का निर्णय लिया है। लेकिन 30 लोगों को इकट्ठा नहीं मार सकता। इसलिए मैंने जौनपुर अजय पाल शर्मा और सोनभद्र के एसपी यशवीर सिंह को मारने का निर्णय लिया लेकिन मुझे रायफल की ड्यूटी से हटा दिया गया। वायरल वीडियो में हेड कान्स्टेबल अखिलेश ने काफी कुछ कहा है। फिलहाल,इसकी जांच की जा रही है।

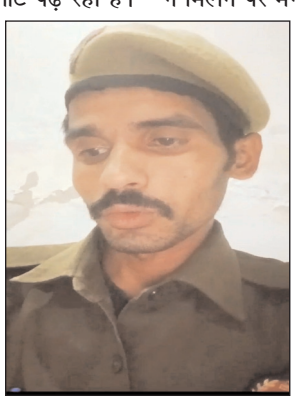

# हर मौसम में कड़ी मेहनत करते हैं समाचार पत्र विक्रेता : विनीत सेठ

## समाचार पत्र विक्रेताओं की करेंगे हरसंभव मदद: गप्पू मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाचार पत्र विक्रेता संघ का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि गहना कोठी के अधिष्ठाता और समाजसेवी विनीत सेठ ने कहा कि प्रेस चाहे जितना अखबार छाप ले और पत्रकार समाचार लिख दें लेकिन जब तक समाचार पत्र विक्रेता उस अखबार को घर-घर नहीं पहुंचाएंगे तब तक अखबार का कोई महत्व नहीं होता। समाचार पत्र विक्रेता कड़ाके की ठंड हो या झमाझम बारिश हो रहा हो या फिर भीषण गर्मी ही क्यों न पड़ रही हो तब भी ये लोग अपने गति को नहीं रोकते और सब झेलते हुए देश दुनिया की खबर जनता तक पहुंचाते हैं। ऐसे मेहनतकश विक्रेताओं के लिए तो शासन-प्रशासन सहित सभी समाजसेवी को हरसंभव सहयोग करना चाहिए। इसके पूर्व सभी अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित किया और द्वीप प्रज्जवलित कर उन्हें नमन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि सभासद गप्पू मौर्य ने कहा कि हम समाचार पत्र विक्रेताओं के इस कठिन काम को देखते हैं तो लगता है कि बड़ा मुश्किल काम हमारे वितरक भाई कर रहे हैं। हम विक्रेताओं को हरसंभव मदद का आश्वासन देते हैं। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष रामसहारे मौर्य ने मुख्य अतिथि को महामंत्री अवधेश कुमार मौर्य ने विशिष्ट अतिथि को अंगवस्त्रम, सम्मान पत्र देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जौनपुर पत्रकार संघ के अध्यक्ष शशिमोहन सिंह क्षेम ने कहा कि समाचार पत्र विक्रेता बंधुओं के साथ हमारा सहयोग शुरू से था, है और आगे भी रहेगा। वरिष्ठ पत्रकार शशिमोहन सिंह क्षेम का कोषाध्यक्ष मंगरु राम मौर्य ने अंगवस्त्रम, सम्मान देकर स्वागत किया। भोजपुरी के लोकप्रिय भजन गायक रविंद्र सिंह ज्योति, भजन गायक आशीष पाठक ने भजन प्रस्तुत कर सबका मनमोह लिया।

### धूमधाम से मनाया गया समाचार पत्र विक्रेता संघ का स्थापना दिवस

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि देवेंद्र यादव महाप्रबंधक अमर उजाला वाराणसी, राजकुमार सिंह हॉस्पिटल नईगंज के डॉ. आनंद सिंह एम.एस. सर्जन, सुरेश सिंह प्रसार प्रबंधक आज वाराणसी, जेब्रा के अध्यक्ष संजय कुमार सेठ, अशोक शुक्ला प्रसार प्रबंधक दैनिक जागरण वाराणसी, अरविंद मिश्रा प्रसार प्रबंधक हिंदुस्तान वाराणसी, राजकुमार सिंह मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल नईगंज के मैनेजर एवं समाजसेवी संतोष सिंह पिंटू, समाजसेवी सरोज श्रीवास्तव, सपा नेता राजकुमार यादव, अजय गौतम, जगदीश बिंद कुद्दूपुर, डॉ. हीरालाल मौर्य, शिवकुमार द्विवेदी गुड्डू रमजीतपुर, अवधेश यादव दैनिक जागरण जौनपुर सेंटर, ओमप्रकाश उपाध्याय प्रसार प्रबंधक राष्ट्रीय सहारा वाराणसी का समाचार पत्र विक्रेता संघ के पदाधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया।

1985 से लगातार समाचार पत्र वितरण का कार्य कर रहे समाचार पत्र विक्रेता संघ के उपाध्यक्ष पवन साहू का मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों ने माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार रामसिंगार शुक्ल गदेला, अजय पाण्डेय, उपाध्यक्ष पवन साहू, सलाहकार सचिव विजय शर्मा, मंत्री नरेंद्र कुमार मौर्य, मीडिया सचिव पंकज मौर्य, रामस्वारथ मौर्य, सलाहकार सचिव कुलदीप साहू, संगठन मंत्री बबलू मौर्य, संगठन सचिव सुनील कुमार मौर्य, संगठन मंत्री रमेश चंद्र मौर्य, सलाहकार सचिव पवन मौर्य, पूर्व अध्यक्ष रामप्यारे प्रजापति, अखिलेश चंद्र मौर्य, लालचंद्र मौर्य, भरत लाल मौर्य, राजेश मौर्य, रामधनी मौर्य, रवि शर्मा, संतोष मौर्य पचोखर, रामदुलारे मौर्य आदि मौजूद रहे।

# खेल तन और मन दोनों को स्वस्थ रखता है: राजेश पाण्डेय

**वसीम अहमद**

कादीपुर,सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड के अंतर्गत अल्फारूक पब्लिक स्कूल में आयोजित विद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे राजेश पाण्डेय फायर स्टेशन अधिकारी कादीपुर ने कहा कि नौनिहालों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल अत्यावश्यक है। खेल से तन और मन दोनों स्वस्थ रहता है। समय समय पर ऐसे आयोजन होना चाहिए। ग्रामीणांचल में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बस उन्हें पहचानने और दिशा देने की आवश्यकता है। समय समय पर खेलों के आयोजन से आपस में बंधुत्व की भावना स्थापित होती है। खेल का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने फीता काट कर किया। वॉलीबॉल ए टीम के कप्तान शेख अतहर ने अपनी टीम के कड़े संघर्ष के बाद विजय हासिल की। दो सौ मीटर रेस में आठवीं की छात्रा समीक्षा यादव, तीन सौ मीटर रेस में आठवीं के छात्र महफूज, सैक रेस में तेजवंत निषाद, स्पून रेस में मोहम्मद उबैद, सौ मीटर रेस में जोया, आर्यन राव आराध्या यादव, अथर्व यादव पचास मीटर मीटर, डक रेस में अनन्या, तेजस्व, प्रियल सिंह, डिस्कस थ्रो में तमन्ना, दीपराज, चेस में दिव्यांश यादव, म्यूजिकल चेयर में नर्सरी से अफ़शीन खान, लोवर के जी से अलीशा खान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। समस्त प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान अर्जित करने वाले प्रतिभागियों को मेडल व सर्टिफिकेट वे सपोर्ट के निदेशक स्वाधीन कर कमलों से प्रदान कर उत्साह वर्धन किया। प्रतियोगिता शुरू होने से पूर्व मुख्य अतिथि को विद्यालय के प्रधानाचार्य ने माल्यार्पण कर स्वागत किया और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। अंत में समस्त आगंतुकों, अभिभावकों, दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यालय के समस्त स्टाफ के सहयोग से सफल व शांतीपूर्ण समापन के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर पी टी आई अमृता यादव, साधना सिंह एडमिन, सुधीश सिंह कोऑर्डिनेटर, पवन कुमार, बसंत कुमार मिश्रा, सुनील कुमार, सुषमा, रिंकी मौर्या, संजू देवी, तबस्सुम, सावित्री, जेबा खान, मरियम, माला सिंह, जमीर अहमद व राशिद आदि उपस्थित रहे।

# कृपाशंकर सिंह ने जरूरतमंद लोगों में किया कंबल वितरण

## कंबल वितरण सबसे बड़ा पुण्य का काम: ओमप्रकाश सिंह

**◆ भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिवस पर कार्यक्रम आयोजित**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्सा विकास खण्ड के ग्राम पंचायत सहोदरपुर में बुधवार को भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्म शताब्दी के मौके पर वृहद कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके तहत ग्राम सभा के हजारों जरूरतमंद को कम्बल वितरण किया गया। कंबल वितरण समारोह को संबोधित करते हुए जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं महाराष्ट्र के पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई हम सब के लिए आदर्श थे। उनके पदचिह्नों पर चलने की जरूरत है। उनके हर संकल्पित इरादे, सपने आज भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण होते दिखाई दे रहे है। आज के इस आधुनिक युग में अपने लिए और अपने ग्रामवासियों के लिए सभी कुछ न कुछ सहायता करते हैं लेकिन इस सहयोग की सेवा ईश्वर की सेवा से बढ़कर है। भाजपा प्रवक्ता ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि कम्बल वितरण सबसे बड़ा पुण्य का काम है। ऐसे लोगों में विशेष रूप से ईश्वर का वास होता है। धरातल पर इसे ही समाज सेवा कहते हैं। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्याम राज सिंह, पूर्व इनकम टैक्स कमिश्नर गौरी शंकर, ग्राम प्रधान संजय सिंह व संचालन शिवपूजन पांडेय ने किया।

# शाहगंज के गोड़बड़ी विद्युत उपकेंद्र फीडर का फीता काटकर विधायक ने किया शुभारंभ

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 132 केवीए उपकेंद्र से 33 केवी के लिए नवनिर्मित विद्युत लाइन का फीता काटकर क्षेत्रीय विधायक शाहगंज रमेश सिंह द्वारा शुभारंभ किया गया। इस लाइन की मांग काफी लम्बे समय से क्षेत्र वासियों द्वारा की जा रही थी। इस लाइन के निर्माण हो जाए जाने से 33 केवीए सुइथाकला की ओवरलोडिंग समस्या खत्म हो जाएगी।तथा गर्मियों मे होने वाली अनावश्यक कटौती से आम जनमानस को राहत भी मिलेगी। इस मौके पर क्षेत्र प्रतिनिधि ने कहा कि इस लाइन की मांग ग्रामीणों द्वारा काफी लम्बे समय की जा रही थी आज उनकी मांग पूरी हो गयी। इसके निर्माण से ग्रामीणों को गमीर्यों में काफी राहत मिलेगी। सूबे की सरकार की यही मंशा रहती रहती है कि जनता की हर जरूरी मांग को समय रहते पूरा कर दिया जाए। कार्यक्रम में बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता संतोष कुमार मिश्रा एसडीओ धर्मेंद्र गुप्त,आदि मौजूद रहे।

# युवक ने दंबगों के खिलाफ एसपी को सौंपा ज्ञापन

**विशाल सोनी,** शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गुरुवार को कोतवाली के आकस्मिक निरीक्षण पर आए नवागत पुलिस कप्तान डाक्टर कौस्तुभ को नगर के मोहल्ला शाहपन्जा निवासी इरफान अहमद पुत्र शेख मुजीबुद्दीन ने एक ज्ञापन सौपते हुए कहा कि दबंगो द्वारा जमीनी विवाद को ले कर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। एवं इसके पूर्व भी एक बार दबंगों द्वारा प्राण घातक हमला हो चुका है। जिसकी सूचना पुलिस को दी गयी थी। आगे आरोप लगाते कहा कि पुलिस मामले की लीपा पोती कर अपने कर्तव्यो का इतिश्री कर लेती है इरफान अहमद ने पुलिस कप्तान से जान माल के सुरक्षा की गुहार लगाई है।

## एक गौ तस्कर, चार महिला सहित पन्द्रह वारंटी गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नवागत पुलिस कप्तान डाक्टर कौस्तुभ के आते ही पुलिस पूरे रौ में दिखती नजर आरही है। गुरुवार को एक गौ तस्कर मो.शकील अहमद पुत्र अली अहमद को मुखबिर की सूचना पर कोतवाली क्षेत्र के उसरहटा नहर पुलिया से गिरफ्तार कर लिया। जिसके पास से एक बछड़ा और एक इनोवा कार मरामद किया। वहीं दूसरी तरफ विभिन्न मामलों में न्यायालय द्वारा जारी वारंट में वांछित चल रहे है चार महिला और दस पुरुषों को गिरफ्तार कर आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद चालान न्यायालय प्रेषित कर दिया।

## दीवानी अधिवक्ता को जबरन पिलाया नशीला पदार्थ, मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के उचैना गांव के रहने वाले अधिवक्ता को जबरदस्ती नशीला पदार्थ पिलाकर मौत के घाट उतार दिया गया है। पुलिस ने भाई की तहरीर पर नामजद रिपोर्ट दर्ज कर लिया। उक्त गांव निवासी मनोज कुमार सिंह एडवोकेट दीवानी न्यायालय को लोगों ने जबरदस्ती नशीला पदार्थ पिला दिया था। अधिवक्ता की हालत खराब होने पर उन्हें उपचार के लिए वाराणसी ले जाया गया था। जहां आज उनकी मौत हो गई है। जैसे ही उनके मौत की खबर घर पहुंची पूरे परिवार में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंच गए और परिजनों से शोक जताया। इस संबंध में थाना अध्यक्ष खुटहन दिव्य प्रकाश सिंह ने बताया कि मृतक अधिवक्ता के भाई द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस आरोपियों के घर छापेमारी कर रही है।

## कांग्रेस ने युवा साथी की मौत के विरोध में धरना कर सौंपा ज्ञापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लखनऊ में युवा साथी की हुई मौत के विरोध में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने न्यायिक जांच और मुआवजे की मांग के साथ आज कलेक्ट्री परिसर मे किया धरना प्रदर्शन और सौंपा ज्ञापन भाजपा सरकार के शासन के खिलाफ अ०भा० कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा विगत 18 दिसंबर को लखनऊ में आयोजित विधानसभा घेराव कार्यक्रम के दौरान हुई पुलिसिया बर्बरता के कारण उ०प्र० युवा कांग्रेस के पूर्व सचिव प्रभात पाण्डेय की मृत्यु हो गयी। शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम के नेतृत्व मे आज कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने युवा नेता की मृत्यु की निष्पक्ष जॉच की मांग करते हुए कलेक्ट्री परिसर में धरना प्रदर्शन किया और महामहिम राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। इस मौके पर प्रेस को संबोधित करते हुए विशाल सिंह हुकुम ने प्रमुख मांगो को बताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने इस युवा नेता की मृत्यु की निष्पक्ष जॉच की मांग करती है, जिससे उसे न्याय मिल सके एवं प्रभात पाण्डेय के परिवार को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए। मृत प्रभात पाण्डेय के परिवार से किसी एक को सरकारी नौकरी दी जाए। उन्होंने आगे कहा कि महामहिम से सादर अनुरोध है कि आप पुलिसिया बर्बरता की इस घटना को लेकर उच्च स्तरीय जांच कराने का आदेश जारी करे। दोषियों को चिन्हित कर सजा दी जाए और शहीद को न्याय दिया जाए।

# बढ़ती ठंड में रखें अपनी सेहत का खास ध्यान: डॉ.मोहम्मद कामिल

**मोहम्मद अफजल**

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मौसम के अनुसार मनुष्य को अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना पड़ता है। बढ़ती ठंड हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है।क्योंकि तमाम बीमारियां ठंड में प्रभाव दिखाना शुरू कर देती हैं। ठंड के मौसम में होने वाली बीमारियों के बारे में डॉक्टर मोहम्मद कामिल राष्ट्रीय मुख्य पर्यवेक्षक डीके फाउंडेशन ऑफ फ्रीडम एंड जस्टिस ह्यूमन राइट्स प्रोटक्शन ने बताया कि इसका मुख्य कारण तापमान कम और हवा में नमी का होना है। इसमें मरीज को सिरदर्द, थकान, बुखार होने के साथ ही नाक में स्त्राव होता है। गले में खसरा तो सर्दियों में आम बात है जो महज वायरस से होने वाली बीमारी है। डॉ. ने कहा कि ठंड में दमा का अटैक बढ़ जाता है। क्योंकि गले में ठंड लग जाती है। जिसके प्रभाव से सांस की नली सिकुड़ जाती है और मरीज की सांस फूलने लगती है। कोल्ड डायरिया के बारे में उन्होंने बताया कि इसके लगने से उल्टी व दस्त होती है।ठंडी में जोड़ों का दर्द होना तय है। क्योंकि इस मौसम में व्यायाम करना लोग कम कर देते हैं। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में हार्टअटैक का खतरा बढ़ जाता है। क्योंकि खून की नलियां सिकुड़ने लगती हैं। जिससे रक्तचाप बढ जाता है। कोल्ड हैंड नामक बीमारी के बारे बताया कि इसको रेनाड फिनामेना भी कहते है। इस बीमारी का कारण है- हाथ-पैर की अंगुलियों में खून का संचार कम होना। इन बीमारियों से बचने का उपाय बताते हुए उन्होंने कहा कि गर्म कपड़े पहने जाए। पैर, नाक व कान को ढककर रखें। सफाई पर विशेष ध्यान दें, डिस्पोजल सामान का प्रयोग करें। विटामिन 'सी' युक्त फल सहित जूस, पानी, सूप का ज्यादा प्रयोग करें। उन्होंने सलाह दी कि हार्ट के मरीज अपनी दवाएं नियमित लें तथा सांस के पुराने रोगी टीकाकरण अपने चिकित्सक के सलाह से कराएं।रोग से बचाव के उपाय बताते हुए डॉ. कामिल ने कहा कि तले-भूने व ज्यादा मसालेदार चीजें न खाएं। धूम्रपान का सेवन एकदम न करें। एलर्जिक मरीज बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करें तथा दमा व एलर्जी के मरीज एसी व ठंडे पानी से बचें।

## 24 घंटे के भीतर हत्या का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रामनगर थाना सुजाबाद चौकी अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बहादुरपुर में 8 वर्षीय बालिका का हत्या कर शव को बोरे में डाल कर विद्यालय में फेंका गया था सूचना पर पुलिस ने तत्परता से जांच पड़ताल में लगी थी।गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी रामनगर राजू सिंह, एसओजी प्रभारी मनीष कुमार मिश्र, उप निरीक्षक गौरव कुमार सिंह, एसओजी, उपनिरीक्षक अमीर बहादुर सिंह, उप निरीक्षक अश्वनी कुमार राय,उप निरीक्षक पंकज मिश्र, हेड कांस्टेबल चंद्रसेन सिंह, कांस्टेबल आलोक कुमार मौर्य, कांस्टेबल मनीष बघेल, कांस्टेबल अंकित मिश्रा, एसओजी टीम शामिल रहे। डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल नें गिरफ्तार करने वाली पूरी टीम को 25000 नगद पुरस्कृत करने की घोषणा किया।

# आर्डर पनीर का और परोसा गया चिकन

## ग्राहक ने पानी पीने को भी किया मना, मुस्लिम वेटर ने मांगी माफी

**डॉ.एस.के.मिश्र**

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के शिवपुर थाना क्षेत्र के एक नामचीन होटल में बीती रात एक ग्राहक ने हंगामा कर दिया। उसने पनीर ऑर्डर किया था लेकिन उसके खाने में चिकन आया। यह देखकर ग्राहक भड़क गया और वीडियो बनाते हुए होटल स्टाफ से पूछने लगा कि यह गलती आखिर हुई कैसे? मेरा धर्म भ्रष्ट करवाओगे क्या? काशी भ्रमण को आए पर्यटकों ने इसको लेकर होटल के मैनेजर और स्टाफ पर काफी नाराजगी जताई। यहां तक कह दिया कि अब मैं सुबह तक इस होटल का पानी तक नहीं पीऊंगा। बातचीत के दौरान यह पता चल गया कि होटल का स्टाफ विशेष समुदाय क है। इस पर ग्राहक और भड़क गए। मामला शिवपुर थाने तक पहुंच गया। मिली जानकारी के अनुसार, शिवपुर क्षेत्र के आद्रिका होटल शुद्धिपुर में ठहरने के लिए आए नौ लोगों ने खाने में पनीर का आर्डर दिया। नौ लोगों की टीम में आए हुए अलीनगर मुगलसराय निवासी ओमप्रकाश जायसवाल ने बताया कि बीते दिन 25 दिसंबर बुधवार शाम सात बजे नौ लोगों की टीम एक कंपनी के काम से मीटिंग के लिए आए हुए थे। हम लोग शिवपुर स्थित आद्रिका होटल में ठहरने के लिए कमरे बुक किए थे। रात्रि 10 बजे के करीब नौ लोगों में पांच लोग नॉनवेज वाले थे। चार लोग वेज वाले, जिसमें चार लोगों का पनीर का आर्डर दिया गया था। खाते समय पनीर के अंदर चिकन निकल गया। इस बाबत, 112 नंबर डायल कर पुलिस को भी इसकी सूचना दी गई। ऑर्डर देने वाले स्टाफ को बुलाया गया। उसने माफी मांगी। ओमप्रकाश ने बताया कि मैं इनका किचन चेक किया तो एक ही बर्तन में पनीर भी बन रहा था। उसी बर्तन में चिकन भी बनाया जा रहा था। देर रात तक काफी हंगामा-बहस के बाद हम लोग देर रात एक बजे तक अपना एडवांस टोकन वापस लेकर होटल छोड़ दिया। थाना प्रभारी उदयवीर सिंह ने बताया कि मामला खाद्य विभाग का है। इस पर जांच की जा रही है। इस बाबत एडीएम सिटी आलोक कुमार ने कहा कि यह मामला मेरे संज्ञान में आया है। एक टीम को भेजकर इस मामले की पड़ताल की जाएगी। कहा कि सर्विस की समस्या हो सकती है। जैसे किसी ने टेबल नंबर दो पर खाना मंगवाया हो, वह दूसरी जगह चला गया हो।

# अटल आवासीय विद्यालय करसड़ा, वाराणसी में कक्षा 6 व 9 में प्रवेश शुरू, प्रवेश परीक्षा 16 फरवरी को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सहायक श्रमायुक्त देवव्रत यादव ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालय,करसड़ा, वाराणसी, के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों, कोविड-19 की महामारी के दौरान कोरोना से निराश्रित हुए बच्चों (महिला कल्याण विभाग लखनऊ से प्राप्त सूची के आधार पर) तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के लिये पात्र बच्चों को सामाज की मुख्य धारा से जोड़े जाने हेतु कक्षा-06 में उपलब्ध कुल 140 सीट (70 बालक एवं 70 बालिकायें) व कक्षा-09 में उपलब्ध कुल 140 सीट (70 बालक एवं 70 बालिकायें) के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु ऑफलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किया जा रहा है। प्रवेश परीक्षा की तिथि 16 फरवरी 2025 को समय पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक निर्धारित है। आवेदन पत्र किसी भी सामान्य कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक 26 दिसम्बर 2024 से निःशुल्क कार्यालय सहायक श्रमायुक्त जौनपुर एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है अथवा एन0आई0सी0 जौनपुर की वेबसाइट से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। पूर्ण रूप से भरे हुये आवेदन पत्र कार्यालय सहायक श्रमायुक्त जौनपुर एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय जौनपुर में आवेदन-पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 25 जनवरी 2025 सायं 5.00 बजे तक जमा किये जा सकते है। 30 नवम्बर 2024 को कम से कम 03 वर्ष बोर्ड की सदस्यता/पंजीकरण अवधि पूर्ण कर चुके अद्यतन नवीनीकृत निर्माण श्रमिकों के अधिकतम दो बच्चे, कोविड-19 से अनाथ हुए बच्चे जिनका महिला एवं बाल कल्याण विभाग में पंजीयन हो अथवा मुख्यमंत्री बालसेवा योजना (सामान्य) हेतु पात्र बच्चे, प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने/आवेदन करने के लिए पात्र होंगे। कक्षा-06 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की जन्मतिथि 01 मई 2013 से 31 जुलाई 2015 के मध्य तथा कक्षा-09 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की जन्मतिथि 01 मई 2010 से 31 जुलाई 2012 के मध्य होना आवश्यक है।कक्षा-06 की प्रवेश परीक्षा में मानसिक क्षमता परीक्षण, अंकगणित परीक्षण, भाषा परीक्षण के 100 अंक के 80 प्रश्न एवं कक्षा-09 हेतु अंग्रेजी, हिन्दी, गणित, विज्ञान के 100 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे। जिसमें उच्च प्राप्तांकों के अनुसार चयन मेरिट के आधार पर होगा।प्रवेश से संबंधित किसी प्रकार की समस्या के लिए कार्यालय के फोन नंबर-05452-240478 पर एवं कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, जौनपुर में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते हैं।

# अनुराग यादव व सत्यम बिंद राज्यमंत्री ने दिया सहायता राशि का चेक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरुद्दीनपुर गांव में गुरुवार को उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री गिरीश चंद यादव ने पहुंचकर ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव व ग्राम लपरी तहसील शाहगंज निवासी सत्यम बिंद के परिजनों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष योजना के तहत 5 लाख का चेक सौंपा। ज्ञात हो 30 अक्टूबर को गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरुद्दीनपुर गांव में सुबह जमीनी विवाद को लेकर ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव की तलवार से गर्दन काटकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। जिसके तहत गुरुवार को राज्यमंत्री गिरीश चंद यादव डीएम डॉ0 दिनेश चंद के साथ कबीरुद्दीनपुर गांव अनुराग के परिजनों के बीच पहुचे। राज्यमंत्री गिरीश चंद यादव ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के तहत अनुराग के पिता रामजीत यादव व बहनों स्वाती और आराधना को 5 लाख का चेक सौंपा। इसी क्रम में ग्राम लपरी तहसील शाहगंज निवासी सत्यम बिंद पुत्र स्व राजेन्द्र प्रसाद बिंद की मृत्यु 30अक्टूबर 2024 को निर्मम हत्या के कारण हुई थी उनके परिवार में मृतक आश्रित दादी प्रभुदेई पत्नी रामराज को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष योजना के अंतर्गत 500000 (पांच लाख रुपए) राशि चेक खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार ) द्वारा दिया गया। इस दौरान डीएम डॉ0 दिनेश चंद, एसडीएम सदर पवन कुमार सिंह व पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह जी मौजूद रहे।11

## पूर्व सांसद मनोज कोटक के जन्मदिवस पर दी बधाई

**मुंबई।** ईशान्य मुंबई के पूर्व सांसद मनोज कोटक के जन्मदिवस पर वरिष्ठ समाज सेवक डॉ. बाबूलाल सिंह, डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड असोसिएशन), शरीफ खान (अध्यक्ष समता हॉकर्स यूनियन),उत्तर भारतीय मोर्चा मुंबई के अध्यक्ष जे. पी. सिंह, आर.डी.यादव, रविन्द्र सिंह, राजनाथ यादव, पत्रकार बिपिन पांचाल, राजेश चावड़ा, संतोष जैसवार सहित कई गणमान्य लोगों ने मनोज कोटक को शाल एवं पुष्प गुच्छ प्रदान कर शुभकामनायें दी।

## मनोर में बाटी चोखा कार्य क्रम संपन्न

**ठाणे।** ठाणे स्थित मनोर में उद्योग पति आदित्यनाथ पांडेय के फार्म हाउस पर बाटी चोखा का कार्यक्रम किया गया। जिसमें उद्योग पति राजेश सिंह गोरेगांव, उद्योग पति दीपक सिंह आर ए कॉलोनी, उद्योग पति भवन निमार्ता जितेंद्र सिंह, राजेश सिंह, दिलीप सिंह,एड आर पी पांडेय, वेदप्रकाश पांडेय,उद्योग पति अनिल मिश्रा गोरेगांव,ठाणे से समाज सेवक विजय मिश्रा, घाडकोपर से समाजसेवक अरविंद शुक्ला, पप्पु पाठक, रमेश पाटिल, मनोज देवेचा,ठाणे से ट्रांसपोर्ट के ओमप्रकाश मिश्रा, गोरेगांव से कृपाशंकर पाठक सहित तमाम प्रतिष्ठित गण मान्य लोग आयोजन में शामिल होकर बाटी चोखा का आनंद उठाते हुए कार्यक्रम की खूब सराहना किया तथा आदित्यनाथ पांडेय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किए।

## मनोज कोटक को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

**मुंबई।** बुधवार को ईशान्य मुंबई पूर्व संसद मनोज कोटक को उनके जनसंपर्क कार्यालय मुलुंड (पश्चिम) मुंबई में शॉल और पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई। इस मौके पर उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार के संवाददाता सुखबिंदर सिंग, देवदास मुरांजन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## मनोज आत्महत्या कांड:पत्नी ने सास,जेठ सहित चार पर दर्ज कराया मुकदमा

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद कस्बे के नासही मुहल्ले में सोमवार की रात को मनोज कुमार ने आत्महत्या किया था।उसी मामले में मनोज की पत्नी ने बुधवार की देर शाम को अपनी सास, जेठ तथा दो भतीजों पर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले ने कार्यवाही शुरू कर दिया है। ज्ञात हो ऊक्त मुहल्ले के निवासी मनोज कुमार पुत्र स्वर्गीय ओमप्रकाश सेठ ने पंखे के चुल्ले से फांसी लगाकर अपनी जान दे दिया था। बुधवार को मनोज कुमार का विडीओ वायरल होने लगा। विडीओ उसने सम्भवतः आत्महत्या से पूर्व बनाया था। विडीओ में उसने अपनी माँ उषा देवी,भाई संतोष कुमार तथा उनको दोनो पुत्रो पर सम्पत्ति हड़पने सहित अन्य कई आरोप लगाया था। वीडियो आग की तरह फैल गया। मृतक ने पत्नी मान्यता देवी को आत्महत्या के दो दिन पहले बच्चो सहित मायके ले जाकर छोड़ दिया था। घटना के दिन पत्नी नही थी।बुधवार की शाम को मान्यता ने पुलिस को सास, जेठ तथा उसके दोनो बेटों के विरुध्द मुकदमा दर्ज करा दिया।

## माटुंगा में मनसे ने मनपा का किया जाहिर निषेध

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने माटुंगा स्थित एफ नार्थ वार्ड महानगर पालिका का विरोध 24 दिसंबर 2024 को माटुंगा रेलवे स्टेशन के पास पार्किंग को लेकर मनसे ने हस्ताक्षर अभियान चलाया। जिसमें बृहन्मुंबई महानगर पालिका ने बहुमंजिला इमारतों में प्राइवेट पार्किंग का पर्मिशन देकर मनपा और बिल्डरों के मिली भगत से पार्किंग को कई लाखों में बेचा जा रहा है। बताया जाता है कि यदि भविष्य में किसी इमारतों में आग लग जाती है तो फायरब्रिगेड दमकल विभाग कर्मियों को आग बुझाने में बड़ी दिक्कतो का सामना करना पड़ेगा। जिसका विरोध महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना माटुंगा विभाग की सचिव श्रीमती सौ . स्नेहल सुधीर जाधव, विभाग अध्यक्ष प्रसाद सरफरे, विभाग अध्यक्ष अनामिका बोरकर, उप-विभाग अध्यक्ष अधिवक्ता वैभव करंदीकर, संदेश घरत, संतोष मयकर, विनय कांबले ने हस्ताक्षर अभियान चला कर लोगों को जागरूक किया। भविष्य में ऐसी कोई अप्रिय घटनाएं न हो। इसी लिए बहुमंजिला इमारत में पार्किंग का जोर दार विरोध किया। यह जानकारी भरत शुक्ल ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से दी है।

## दिल्ली-एनसीआर सितंबर 2024 के लिए हाउसिंग प्राइस इंडेक्स में शीर्ष पर

मुंबई। भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में संपत्ति के मूल्यों में बहुत ही कम समय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, क्योंकि देश के अमीर लोग जीवनशैली संबंधी आकांक्षाओं से प्रेरित होकर इस बेहद आशाजनक आवासीय बाजार में लाखों डॉलर निवेश कर रहे हैं। भारत के प्रमुख रियल्टी बाजारों में प्राइस ट्रेंड्स के एक प्रमुख संकेतक हाउसिंग प्राइस इंडेक्स (एचपीआई) के नवीनतम निष्कर्षों के अनुसार एनसीआर ने 178 की एचपीआई रीडिंग के साथ अपने प्रतिस्पर्धी इलाकों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। मुख्य रूप से मजबूत एंड-यूजर के बीच मांग, निवेशकों की रुचि और न्यू गुड़गांव, नोएडा एक्सटेंशन और द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे प्रमुख माइक्रो मार्केट्स में महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि से प्रेरित है। अग्रणी रियल एस्टेट ऐप हाउसिंग डॉट कॉम और वैश्विक बिजनेस स्कूल इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एचपीआई एक साधन के रूप में कार्य करता है जो भारत के 13 प्रमुख बाजारों में आवासीय घरों की कीमतों में बदलाव को ट्रैक करता है। ऑल इंडिया एचपीआई सितंबर में 128 पर पहुंच गया, जो तिमाही-दर-तिमाही 2 अंकों की वृद्धि को दशार्ता है, जो प्रमुख आवासीय केंद्रों में संपत्ति के मूल्यों में स्थिर वृद्धि को दशार्ता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये निष्कर्ष भारत के आवासीय रियल एस्टेट बाजार की मजबूती की पुष्टि करते हैं, क्योंकि यह वैश्विक और घरेलू चुनौतियों का सामना करते हुए खरीदारों की बदलती जरूरतों को पूरा करता है। अन्य शहर जिन्होंने मूल्य वृद्धि में उल्लेखनीय सुधार दिखाया है, उनमें बेंगलुरु और कोलकाता शामिल हैं। वरथुर और देवनहल्ली जैसे माइक्रो मार्केट्स में मांग-संचालित वृद्धि ने भारत की आईटी राजधानी में मूल्य वृद्धि को गति दीः शहर ने जून से सितंबर तक 155 से 167 तक 12 अंकों की उछाल देखी। कोलकाता के लिए रीडिंग में भी इसी अवधि में 138 से 150 तक की समान उछाल देखी गई।

## सतीश महाना ने किया अपना पूर्वांचल महासंघ के कैलेंडर 2025 का विमोचन

**मुंबई।** उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, जो अपने सरल स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के लिए प्रसिद्ध हैं, ने मुंबई के ताज होटल में अपना पूर्वांचल महासंघ (रजि.) के कैलेंडर 2025 का विमोचन किया। इस विशेष अवसर पर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट अशोक दुबे ने महाना से भेंट की और उत्तर प्रदेश एवं पूर्वांचल के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।महासंघ के उद्देश्यों से प्रभावित हुए महाना

आठ बार विधायक रह चुके सतीश महाना ने महासंघ के विचारों और मुद्दों को समझने के बाद इसकी प्रशंसा की। उन्होंने महासंघ को आश्वासन दिया कि 22 फरवरी 2025 को होने वाले महासंघ के कार्यक्रम में, यदि विधानसभा का सत्र न हो, तो वे स्वयं उपस्थिति दर्ज करेंगे। स्वागत और सम्मान इस कार्यक्रम में विश्व हिंदू सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र के. द्विवेदी और एडवोकेट अशोक दुबे ने सतीश महाना का पुष्पगुच्छ और शॉल देकर स्वागत किया। इस दौरान महासंघ के सभी पदाधिकारी, वरिष्ठ पत्रकार संतोष मिश्रा सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। महाना ने इस मुलाकात को उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल के विकास की दिशा में सकारात्मक कदम बताया। कार्यक्रम का आयोजना पूर्वांचल की संस्कृति और इसकी प्रगति को प्रोत्साहन देने के लिए किया गया था। महासंघ के आगामी कार्यक्रम की तैयारी महासंघ के 2025 के कार्यक्रम की तैयारी जोरों पर है, जिसमें पूर्वांचल के विकास से जुड़े प्रमुख मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी। यह आयोजन पूर्वांचल की सांस्कृतिक और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

## भारत में अग्नाशय के कैंसर की बढ़ती घटनाएं: प्रारंभिक पहचान क्यों महत्वपूर्ण है: डॉ. मिनीष जैन

पुणे। डॉ. मिनीष जैन डॉ. मिनीष जैन, निदेशक, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, रूबी हॉल क्लिनिक ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत में अग्नाशय के कैंसर के मामलों में वृद्धि हो रही है, और विशेषज्ञ इसके बारे में चेतावनी दे रहे हैं। हर साल मामलों की बढ़ती संख्या के साथ, अधिक जागरूकता की तत्काल आवश्यकता है। दुर्भाग्य से, अधिकांश रोगियों को उन्नत चरणों में ही निदान मिलता है, जिससे उपचार अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है और जीवित रहने की दरें कम हो जाती हैं। डॉ. मिनीष जैन ₹हमारे पास अग्नाशय के कैंसर के लगभग 80% मामले उन्नत चरण में निदान होते हैं,₹ कहते हैं डॉ. एबीसी, एक ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ। ₹जब तक रोगी हमारे पास आते हैं, तब तक रोग अक्सर फैल चुका होता है, जिससे उपचार विकल्प सीमित हो जाते हैं। डॉ. मिनीष जैन अग्नाशय के कैंसर के साथ एक प्रमुख चुनौती उसकी ₹मूक₹ प्रकृति है। अन्य कैंसरों के विपरीत, यह शायद ही कभी स्पष्ट प्रारंभिक लक्षणों के साथ प्रकट होता है। इसके बजाय, लक्षण अक्सर अस्पष्ट होते हैं और आम समस्याओं के रूप में गलत समझे जा सकते हैं, डॉ. मिनीष जैन जिससे निदान में देरी होती है जब तक कि कैंसर अधिक उन्नत न हो जाए। लक्षण हल्के हो सकते हैं, जैसे पेट में असुविधा या पीठ दर्द, और अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। डॉ. मिनीष जैन अग्नाशय के कैंसर को अक्सर 'मूक रोग' कहा जाता है क्योंकि इसके प्रारंभिक लक्षण बहुत ही सूक्ष्म होते हैं,₹ डॉ. एबीसी समझाते हैं। अधिकांश रोगी यह महसूस नहीं करते कि कुछ गलत है जब तक कि रोग काफी आगे नहीं बढ़ जाता।

## भगवान की कृपा से जीवन में आती है सुख स्मृद्धि: देवकीनंदन ठाकुर महाराज

### 12 ज्योतिर्लिंग का जरुर करें दर्शन

**मुम्बई।** जब एक भक्त सच्चे मन से भगवान की भक्ति करता है, तो भगवान उसे आशीर्वाद देने में कभी देर नहीं करते। भगवान की कृपा से ही जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। जब तक विश्वास और भक्ति सच्ची होती है, तब तक भगवान अपने भक्तों की सहायता करने में कभी पीछे नहीं हटते। यह पवित्र उद्गार प्रसिद्ध कथाकार देवकीनंदन महाराज ने नवी मुम्बई के खारघर स्थित कारपोरेट पार्क ग्राउंड में चल रही श्री भागवत कथा के दौरान व्यक्त किया। कथा श्रवण से मन होता है निर्मल. महाराज ने कहा कि कथा श्रवण करने से मन निर्मल होता है। कथाएं हमें सही मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। कथा श्रवण से मन के अंदर की समस्त नकारात्मकता, अशांति और संकोच दूर होते हैं, और उसके स्थान पर प्रेम, आस्था, विश्वास और शांति का संचार होता है। 12 ज्योतिर्लिंगों का जरूर करें दर्शन देवकीनंदन महाराज ने कहा कि अगर मानव जीवन मिला है तो 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन जरूर करने चाहिए। ये 12 ज्योतिर्लिंग भगवान शिव के अत्यंत पवित्र और शक्तिशाली रूप हैं, जो पूरे भारत में फैले हुए हैं। इन ज्योतिर्लिंगों का दर्शन करने से न केवल आध्यात्मिक शांति मिलती है, बल्कि व्यक्ति के जीवन के सभी दुख-दर्द भी समाप्त हो जाते हैं। मानव जीवन का आधार है धर्म महाराज ने कहा कि धर्म मानव जीवन का आधार है, जो उसे सत्य, न्याय और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। अपने धर्म की रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है, क्योंकि धर्म ही वह आधार है जो समाज और व्यक्ति को एक मजबूत नैतिक दृष्टिकोण प्रदान करता है। अहंकार मानव के पतन का कारण मै की भावना, अर्थात अहंकार, मानव के पतन का मुख्य कारण है। जब व्यक्ति मै के भाव में डूब जाता है, तो वह स्वयं को अन्य सभी से श्रेष्ठ समझने लगता है। यह भावना न केवल उसके आत्मिक विकास में बाधा उत्पन्न करती है, बल्कि उसे अपने मूल कर्तव्यों और आदर्शों से भी भटका देती है। अहंकार व्यक्ति को विनम्रता और सहानुभूति से दूर ले जाता है, जिससे उसका समाज में सम्मान और विश्वास समाप्त हो जाता है। महाराज ने कहा कि नव वर्ष को धार्मिक आधार पर मनाया जाएगा। यह कथा 30 दिसम्बर तक निरन्तर चलेगी।

## देवदूत वानर सेना के संरक्षक मंडल ने की विनोद कांबली से मुलाकात, प्राथमिक धनराशि के रूप में जमा किए गए करीब 25 लाख

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज खिलाड़ी रहे विनोद कांबली इन दोनों गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। भिवंडी के आकृति अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। उनका इलाज कर रहे डॉक्टरो के मुताबिक उनकी स्थिति में काफी सुधार हो रहा है। विनोद कांबली को नया जीवन देने की दिशा में देवदूत वानर सेना ने सराहनीय पहल की है। वानर सेना द्वारा चलाए जा रहे हेल्प विनोद कांबली मिशन के माध्यम से अब तक करीब 25 लाख रुपए की मदद इकठ्ठा की जा चुकी है। श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन द्वारा 5 लाख रुपए की चेक राशि विनोद कांबली के इलाज के लिए दी गई है। देवदूत वानर सेना और विनोद कांबली के बीच सेतु का काम कर रहे संरक्षक मंडल में शामिल शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि वानर सेना के संरक्षक मंडल में शामिल महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री प्रताप सरनाईक, जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह, उत्तर प्रदेश सरकार में उपनिदेशक की जिम्मेदारी संभाल रहे अजीत सिंह के साथ कल उन्होंने अस्पताल में विनोद कांबली से मुलाकात की। संरक्षक मंडल ने विनोद कांबली को पूरा भरोसा दिलाया कि इलाज के लिए पैसे की किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। विनोद कांबली से अस्पताल में मुलाकात के बाद प्रताप सरनाईक के व्यावसायिक कार्यालय में एक बैठक की गई, जिसमें तय किया गया कि कांबली के परिवार से मिलकर उन्हें प्राथमिक सहायता धनराशि प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर कांबली के इलाज का पूरा खर्च, का जिम्मा उठाने वाले प्रगति अस्पताल ग्रुप के संचालक शैलेश सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष शक्ति सिंह के अलावा अशोक दुबे सुनील दुबे समेत अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे। देवदूत वानर सेना ने लोगों से अपील की है कि वे विनोद कांबली की मदद के लिए आगे आए।

## सृष्टि में वात्सल्य की स्नेह की असीम शक्ति है: स्वामी नारायणानंद तीर्थ

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। कांदिवली स्थित लोखंडवाला मैदान में चल रहे श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह के चौथे दिन पूज्यपाद अनंतश्री विभूषित श्री काशीधर्मपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानंद तीर्थ जी महाराज ने बताया कि भगवान की लीला के अनेक दृष्टियां होती हैं। श्रीमद्भागवत के प्रत्येक पात्र भागवत हैं। भगवान ने असुरों को मार कर अपने में मिला लिया, क्योंकि असुरों के मूल भी भगवान हैं। भगवान ने पूतना को, अघासुर को, बकासुर को कंश आदि को मारकर भी सद्गति प्रदान कर दी। छोटे से भगवान श्री कृष्ण सबसे बड़ा हैं, जैसे छोटे बीज में सारा वृक्ष समाया रहता वैसे भगवान में सारा ब्रम्हांड समाया रहता है। यशोदा ने दो बार श्री कृष्ण के मुख में ब्रम्हांड का दर्शन किया। यह यशोदा माता का वात्सल्य ही है, जिसके कारण रक्त से दूध बनकर निकलता है। पूज्य शंकराचार्य ने आगे कहा कि सृष्टि में वात्सल्य की स्नेह की असीम शक्ति है। माँ का निराकार भाव ही दूध के रूप में साकार होकर आता है। हर माँ का छोटा सा बालक उसके लिए भगवान का रूप होता है। और उसके भीतर सम्पूर्ण विश्व छिपा है। यशोदा मैया ने भगवान श्री कृष्ण के मुख में दो बार सम्पूर्ण ब्रम्हांड को देखा। माँ कितनी पूर्णता से, एकाग्रता से, भावना से अपने बच्चे की रक्षा पोषण करती है। भगवान की भक्ति से वह अपुत्र होने पर पुत्र हो जाएंगे। भक्ति नित्य तृप्त भगवान को अतृप्त बना देती है निष्काम को सकाम बना देती है सबके मालिक को चोर बना देती है। भगवान ऐसे हैं जो अपने भक्तों के भक्ति के पाश में बंध जाते हैं। यशोदा मैया ने भगवान को यश दिया। दुनिया में बहुत से बंधन हैं पर प्रेम की रस्सी दूसरी होती है। महापुरुषों के आशीर्वाद, भगवान की करुणा और भक्ति के सामर्थ्य इन तीनों से जो लीला होती है उससे शिक्षा मिलती है कि भगवान के मन में कामना आयी तो क्रोध आया जिससे मटका फोड़ दिया। भय आया तो पलायन कर गए। भगवान को बंध जाना पड़ता है तो जीवों की बात ही क्या है ? भगवान की लीला पूतना वध से प्रारंभ होती है। धीरे-धीरे मामा कंश के भेजे हुए असुर को अपने में मिला लिया। क्योंकि सभी भगवान के अंश है। सूर्य में दिन-रात का भेद नहीं होता है ब्रह्म में जीव और जगत का भेद नहीं होता है ये तत्व दृष्टि है। मक्खन चोरी की लीला, चीरहरण की लीला, रासलीला कंश जैसे पापियों का वध कर के भगवान ने सभी का कल्याण किया। भगवान की लीलाओं का रहस्य निर्विकार ब्रह्म की निर्विकार होकर ही समझी जा सकती है।

## पशु तस्करों का गढ़ बना कुशीनगर, 200 गाड़ियां चिन्हित

**गोरखपुर (उत्तरशक्ति)।** जिले की पुलिस लगातार पशु तस्करों पर कार्रवाई कर रही है। अधिकतर मामले में तस्कर और गाड़ियां कुशीनगर से संबंधित पकड़ी जा रही हैं। बिहार के भी तस्कर कुशीनगर के रास्ते ही प्रवेश कर प्रदेश के जिलों में धंधा चमका रहे हैं। सूत्रों की माने तो पशु तस्करी में मोटी कमाई देख कुशीनगर में घर-घर पिकअप खरीदी जा रही है। फायदा देख यहां के नौजवान भी इस धंधे में कूद रहे हैं। जिले की पुलिस ने कुशीनगर के 200 पिकअप की सूची भी तैयार की है। सूत्रों की माने तो कुशीनगर के तस्कर बिहार के सरगनाओं के साठ-गांठ कर उनके इशारे पर काम कर रहे हैं। अधिकतर लोग गाड़ियां खरीदकर सरगना को सौंप देते हैं। बताया जा रहा है कि प्रतिदिन गाड़ी मालिकों को करीब एक लाख रुपये का फायदा हो रहा है। सोमवार देर रात पुलिस ने घेराबंदी कर काली मंदिर के पास से कुशीनगर पडरौना के सिधुआ गांव निवासी गंगेश कुशवाहा व पडरौना इलाके के बसहिया शाहबाज को गिरफ्तार किया। चालक गंगेश के पास से 100-100 रुपये का नोट कुल 29 सौ रुपये मिला। तस्कर ने बताया था कि बिहार तक रास्ता तय करने में कहीं भी गाड़ी रुकती है तो फुटकर सौ की नोट पकड़ाकर बिना चेकिंग आगे बढ़ जाते हैं। सिविल लाइंस में पशु तस्करों ने 19 दिसंबर को तांडव मचाकर गोवंश उठा ले गए थे। सीसीटीवी कैमरे और सर्विलांस की मदद से पुलिस ने बिहार की चार संदिग्ध पिकअप की पहचान की है। पुलिस का मानना है कि बिहार के ही तस्कर जिले में आए थे। इनके साथ लाइनर भी आगे-आगे चल रहा था। सर्विलांस और सीसीटीवी कैमरे की मदद से उसकी पहचान कराई जा रही है।

## युवा भीम सेना के संस्थापक विनय जैसवार के पिता सीताराम का निधन

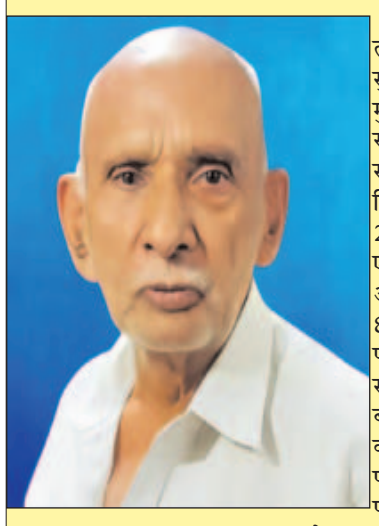

**जौनपुर।** बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित सुतौली गांव निवासी तथा मुंबई की राजनीति में सक्रिय रहनेवाले युवा भीम सेना के संस्थापक विनय जैसवार के पिता सीताराम जैसवार की 21 दिसंबर को जौनपुर के एक निजी अस्पताल में आकस्मिक निधन हो गया। 80 वर्ष की उम्र में भी वह पूरी तरह से सक्रिय थे। स्वतंत्रता दिवस के दिन वे बच्चों के साथ बड़ा कार्यक्रम करते थे। वे अपने पीछे पांच पुत्रों से भरा पूरा परिवार छोड़ गए। उनके निधन पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार डॉ सुभाष चंद्र पांडे, युवा भीम सेना के अध्यक्ष नंदलाल जैसवार,उपाध्यक्ष विनोद जैसवार,महासचिव सुरेन्द्र जैसवार, कोषाध्यक्ष अवध नारायन,युवा अध्यक्ष अरूण जैसवार,युवा महासचिव लवकुश निगम, अरुण गौतम, रामू गौतम, आचार्य रमेश गौतम, अखिलेश मास्टर, रामप्यारे, मास्टर, हिरालाल मिस्त्री, रामलावट मास्टर, नेबुलाल, जयप्रकाश मास्टर, गुड्डू, महेंद्र गौतम, अवधेश गौतम, राय साहब, पंचम, कन्हैयालाल, त्रिभुवन, अंकित, निलेश, मंगेश आदि ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की है। 28 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है।

## वसई विधायक स्नेहा दुबे ने मनाया सुशासन दिवस

**वसई।** भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की जन्म शताब्दी पर सुशासन दिवस वसई मध्यवर्ती कार्यालय दीनदयाल नगर में मनाया। इस आयोजित कार्यक्रम में वसई विधायक स्नेहा दुबे उपस्थित हुई। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता सुधाकर भानुशाली को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ भाजपा नेता और उद्योगपति चन्द्रशेखर धुरी, वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर, विजेंद्र कुमार, सुरेश हेगड़े, मनिंदर सिंह कोहली, मनोज शर्मा, दीपक शर्मा, युवा मोर्चा प्रमुख कल्पेश पांडे, पुनमकुमार, अर्जुन इंगोले, एचआर सक्सेन, सीमा सिंगर, चारुशिला गैरत, अंजिता कोली, सुनीता मिश्रा, बबली बीस, देवी रेड्डी तेजस सिंह, मनोज चोटलिया, राजेश चोटलिया, कैलास किरण पवार, बबन तिंगरे, दुर्भम पडियार, मीनू सुरती, सुजाता शिरोडकर, विजय राजगोर, रवि विश्वकर्मा, विशाल पांडे, संजय अच्चीपालिया उपस्थित होकर सुशासन दिवस हर्षोल्लास से मनाया।

## एड प्रेमचंद्र यादव को सपा अधिवक्ता सभा युपी नामित किए गए प्रदेश सचिव

**सिकरारा, जौनपुर।** जौनपुर के सिकरारा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा डमरुआ सिकरारा जौनपुर के समाजवादी पार्टी के प्रति समर्पण भाव को दृष्टिगत रखते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार व समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की अनुमति से प्रेमचंद यादव एडवोकेट पुत्र भगवंत यादव को समाजवादी अधिवक्ता सभा उत्तर प्रदेश का प्रदेश सचिव नामित किया गया। प्रेमचंद यादव वर्तमान में मछली शहर तहसील में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत हैं। सिकंदर यादव एडवोकेट प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी अधिवक्ता सभा उत्तर प्रदेश संयुक्त मंत्री अवध बार एसोसिएशन उच्च न्यायालय लखनऊ द्वारा प्रेमचंद यादव एडवोकेट को प्रदेश सचिव नामित किया गया। प्रेमचंद यादव एडवोकेट एक सामाजिक कार्यकर्ता और एक सुयोग्य, कर्मठ, निष्ठावान, जुझारू अधिवक्ता के रूप में मछली शहर तहसील में वर्तमान में कार्यरत है । प्रेमचंद यादव एडवोकेट को प्रदेश सचिव नामित होने पर लोगों में खुशी का माहौल है। और अधिवक्ता संघ के लोगों ने अपनी प्रसन्नता जाहिर करते हुए उनको बधाई एवं शुभकामनाएं दिये।

## अटल बिहारी वाजपेयी को पुष्पांजलि अर्पित कर मनाया गया जन्मदिन

मुंबई। जोगेश्वरी (पश्चिम) स्थित आनंदनगर में गैर सरकारी संस्था सत्यवादी ने बुधवार को भारतरत्न व पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन भावपूर्ण तरीके से मनाया। संस्था के कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में वाजपेयी जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान 'सत्यवादी' के चेयरमैन और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, महाराष्ट्र के उपाध्यक्ष एसएम खान ने वाजपेयी जी को एक दूरदर्शी, व्यवहार कुशल और सर्वमान्य नेता के रूप में याद किया। उन्होंने कहा, अटल जी का योगदान हमारे देश के लिए अतुलनीय है। उन्होंने विकास के नए आयाम स्थापित किए और पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण कर भारत को विश्वस्तरीय शक्ति बनाया। उनके नेतृत्व और दूरदृष्टि को देश कभी भुला नहीं सकता। यह आयोजन वाजपेयी जी के प्रति गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक रहा। इस अवसर पर आरके दुबे, अनुराधा बाविस्कर, पंकज शर्मा, इस्माइल शेख, विनय यादव सहित बड़ी संख्या में संस्था के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी जी की विचारधारा और उनकी उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए सभी ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

## श्रेयस मीडिया ने महाकुंभ 2025 के एडवरटाइजिंग राइट्स हासिल किए

मुंबई। श्रेयस मीडिया (आध्याश्री इंफोटेनमेंट की एक शाखा), भारत की प्रमुख सेल्स और मार्केटिंग कंपनी, ने घोषणा करते हुए बताया कि उसने महाकुंभ मेला 2025 के लिए विशेष एडवरटाइजिंग राइट्स हासिल कर लिए हैं। यह आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में होगा। इसके साथ ही, कंपनी ने वेंडिंग जोन, एंटरटेनमेंट जोन और फूड कोर्ट जैसी कई अन्य गतिविधियों के राइट्स भी हासिल किए हैं। भारतीय कंपनियां इस 45-दिवसीय महाकुंभ मेले में ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर लगभग 3,000 करोड़ रुपये खर्च करने वाली हैं, क्योंकि ब्रांड इस 12 वर्षों में एक बार होने वाले बड़े आयोजन में विशाल अवसर देख रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगभग 6,300 करोड़ रुपये के बजट के साथ आयोजित, महाकुंभ मेला 2025 में दुनिया भर से 500 मिलियन से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। 4,000 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला यह आयोजन अब तक का सबसे भव्य कुम्भ मेला होगा। आध्याश्री इंफोटेनमेंट की शाखा श्रेयस मीडिया, जिसने मीडिया और इवेंट मैनेजमेंट क्षेत्र में लगातार इनोवेशन और बाजार की गतिशीलता की गहरी समझ के जरिए क्रांति लाई, अपने फाउंडर और चेयरमैन जी. श्रीनिवास राव के दूरदर्शी नेतृत्व में ब्रांड्स को अधिकतम दृश्यता प्रदान करने के लिए अनुभव और विशेषज्ञता का उपयोग करेगी। श्रीनिवास राव, फाउंडर और चेयरमैन, श्रेयस ग्रुप ने कहा, महाकुंभ मेला 2025 आध्यात्मिकता और वाणिज्य को एकजुट करने वाला एक अद्वितीय आयोजन है। हम अपने विशेषज्ञता को मेले के पैमाने के साथ मिलाकर ब्रांड्स को एक विशाल और विविध दर्शकों के साथ जुड़ने का अद्वितीय अवसर प्रदान करेंगे। हमारा काम केवल विज्ञापन तक सीमित नहीं है; हम अपने पार्टनर्स के लिए विसिबिलिटी, एंगेजमेंट और रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट को अधिकतम करने के लिए स्टाटेर्जी प्रदान करते हैं। श्रेयस मीडिया महाकुंभ में प्रभावशाली विज्ञापन अवसर बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें स्ट्रेटेजिक रूप से प्लेस किए गए होर्डिंग्स, गैन्ट्री बॉक्स, वॉच/मीडिया टावर, करंट पोल ब्रांडिंग, चार्जिंग स्टेशन, स्काई बैलून आदि शामिल हैं। ये प्रमुख स्थान ब्रांड्स को मेले के विशाल फुटफॉल के साथ सीधा जुड़ाव और अच्छा एक्सपोजर प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। महाकुंभ में अन्य गतिविधियों पर जिनके राइट्स श्रेयस मीडिया ने हासिल किए, श्रीनिवास राव ने कहा कि सेक्टर 1 में एंटरटेनमेंट जोन महाकुंभ 2025 की मुख्य आकर्षणों में से एक होगा। इस जोन में विशाल झूला, रॉकिंग चेयर, मिनी ट्रेन आदि जैसी मनोरंजक सवारी और 145 दुकानें शामिल होंगी, जिनमें कपड़े, धार्मिक सामग्री और किताबों की दुकानें होंगी।